विषय- संस्कृत पाठ- अस्माकं परिवेशः कक्षा - 6

प्रकरण- उपवन क्रमांक-20

मिशन शिक्षण संवाद

उद्याने वः आम्रः निम्बः अश्वत्थः अन्ये च अपि वृक्षाः सन्ति । खगाः वृक्षेषु विकसन्ति । वृक्षेषु पक्वानि फलानि सन्ति। लतासु कुसुमानि विकसन्ति। उद्यान एकः तडागः अपि अस्ति। जले कमलानि विकसन्ति । कमलेषु भ्रमराः गुंजन्ति । तडागे मत्स्याः अपि सन्ति । सायंकाले बालकाः बालिकाः च उद्याने क्रीडन्ति। सम्प्रति वायू-प्रदूषण स्य दूरीकरणाय नगरे उद्यानम् आवश्यकम् ।

सन्दर्भ-प्रस्तुत संस्कृत पंक्तियां हमारी पाठ्य पुस्तक 'संस्कृत पीयूषम्' के 'अस्माकं परिवेशः' शीर्षक से चयनित हैं।

प्रसङ्ग- प्रस्तुत पंक्तियों में बगीचे व प्रातः काल के मनोहारी सुंदर दृश्य के बारे में बताते हुए कहा गया है कि---

हिन्दी अनुवादः- बगीचे में बरगद, आम, नीम,पीपल व और भी वृक्ष हैं। पक्षी वृक्षों पर रहते हैं। वृक्षों पर पके फल हैं। लताओं पर फूल खिलते हैं। बगीचे में एक तालाब भी है। जल में कमल खिलते हैं। कमरों के ऊपर भंवरे गुंजन करते हैं। तालाब में मछलियां भी हैं शाम के समय बालक और बालिकायें बगीचे में खेलते हैं। इस समय वायु प्रदूषण दूर करने के लिए नगर में बगीचे आवश्यक हैं।

शिक्षा- प्रस्तुत गद्यांश से हमें शिक्षा मिलती है कि गांव में या नगर में हमें बगीचे लगाने चाहिए।

शब्दार्थ

शब्द	अर्थ
तड़ागः	तालाब
सम्प्रति	इस समय
अश्वत्थः	पीपल का वृक्ष
वट	बरगद
निम्बः	नीम
सांय	शाम

अभ्यास कार्य

रेखांकित शब्दों के विलोम शब्द लिखो-

यथा- अत्र बालकाः दुःखेन धावन्ति ।

(क) बालिकाः अपि उत्साहेन क्रीडन्ति।

(ख) बालकः मन्दस्वरेण गीतं गायति।

(ग) प्रातःकाले वयं उद्यानं गच्छामः ।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- सचिन कुमार, सम्भल... 9761261066

गतिविधि का हिन्दी अनुवाद-

मथुरा नगर का राजा, यमुना किनारे, खजाने से, भिक्षु को, हाथ से धन देता है।

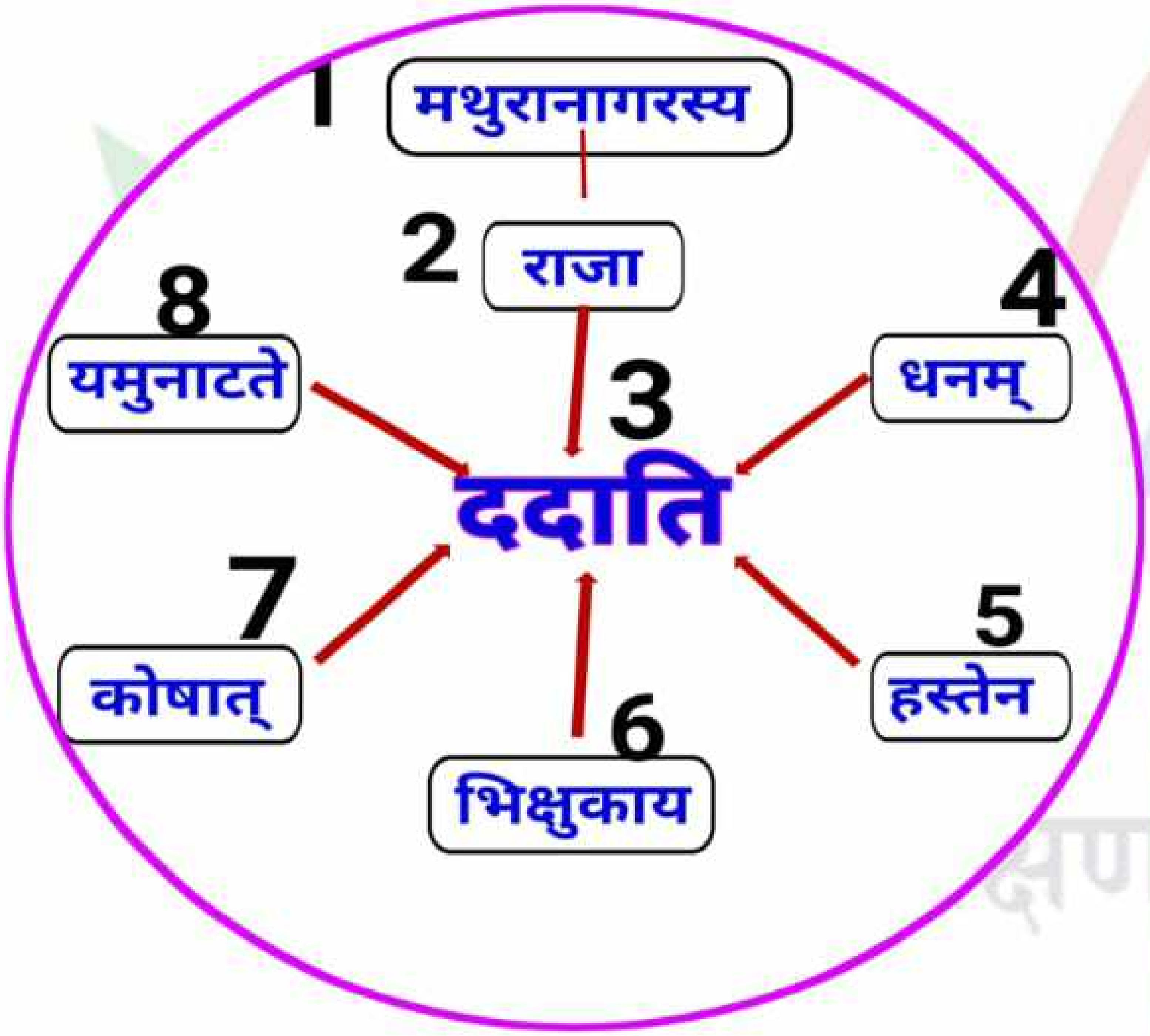

शब्दार्थ

शब्द- अर्थ
नगरस्य = नगर का
ददाति = देता है
धनम् = धन
हस्तेन = हाथ से
भिक्षुकाय= भिक्षु को
कोषात् =खजाने से
यमुनातटे =यमुना के तट पर

अभ्यास कार्य

1.गतिविधि निर्देशानुसार संस्कृत वाक्य बनाइये।

1-2-8-7-6-5-4-3

2.क्रमांक 1, 2, 4, 5, 6, 7 और 8 पर प्रयुक्त शब्दों में कारक बताइये।

उत्तर अंक 20

शब्द	विलोम
उत्साहेन	निरुत्साहेन
मन्द स्वरेण	तीव्रस्वरेंण
प्रातः काले	सायंकाले

मिशन शिक्षण संवाद

मा कुरु दर्पम्, मा कुरु गर्वम्

मा भव मानी, मानय सर्वम्।

मा भज दैन्यम्, मा भज शोकम्

मुदितमना भव, मोदय लोकम्। 1।

मा वद मिथ्या, मा वद व्यर्थम्

न चल कुमार्गे, न कुर्वनर्थम्।

पाहि विपन्नम्, पालय दीनम्

लालय जननी-जनक-विहीनम्। 2।

सन्दर्भ-प्रस्तुत श्लोक हमारी पाठ्य पुस्तक 'संस्कृत पीयूषम्' के 'उद्बोधनम्' शीर्षक से चयनित हैं।

श्लोक 1 अर्थ:-
घमण्ड मत करो, अभिमान मत करो। अभिमान करने वाले मत बनो,सभी को सम्मान दो।दीनता मत रखो,शोक मत रखो। प्रसन्न मन से संसार को प्रसन्न करो।

श्लोक2:-
कभी झूठ मत बोलो,बेकार भी मत बोलो,गलत रास्ते पर मत चलो ,किसी का बुरा ना करो।दु:खी की रक्षा करो,गरीब की मदद करो उसका पालन करो।माता -पिता रहित बालक का लालन- पालन करो ।

शब्द	अर्थ
मा	मत
कुरु	करो
दर्पम्	घमण्ड
गर्व	अभिमान
मानय	सम्मान दो
वद	बोलो
मिथ्या	झूठ
अनर्थम्	बुरा
पाहि	रक्षा करो
विपन्न	दु:खी

उत्तरमाला -21

1.मथुरानगरस्य राजा यमुनातटे कोषात् भिक्षुकाय हस्तेन धनम् ददाति।
2. सम्बन्ध-1, कर्ता-2, कर्म-4,
करण-5,सम्प्रदान-6,अपादान-7, अधिकरण-8

अभ्यास कार्य

1. मिथ्या,विपन्न शब्दों के विलोम लिखो।
2. अपनी 3 अच्छाइयां लिखिये।
3. 10 फलों के नाम संस्कृत में लिखिये।

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- सचिन कुमार संभल

मिशन शिक्षण संवाद

पूर्णांकों में भाग संक्रिया

हम सभी जानते हैं कि पूर्ण संख्याओं में भाग संक्रिया, गुणन संक्रिया की विलोम है। साथ ही एक गुणनफल तथ्य के संगत भाग संक्रिया के दो तथ्य मिलते हैं। यथा $5 \times 7 = 35$ का अर्थ $35 \div 5 = 7$
तथा $35 \div 7 = 5$
पूर्णांकों की स्थिति में भी गुणनफल तथ्य $(-6) \times 3 = -18$ के संगत भाग संक्रिया के दो तथ्य मिलते हैं। जैसे
$-18 \div (-6) = 3$
$-18 \div 3 = -6$

अत: इन उदाहरणों में स्पष्ट है कि जब भाज्य और भाजक दोनों धनात्मक या दोनों ऋणात्मक हैं तो भागफल धनात्मक होता है।

$24 \div 6 = 4$
$-36 \div -6 = 6$
अत: इससे स्पष्ट है कि यदि भाज्य और भाजक समान चिह्नों (अर्थात् दोनों धन अथवा दोनों ऋण) के हों तो भागफल धनात्मक होता है।
पुन:
$-16 \div 4 = -4$
$42 \div (-6) = -7$
अत: इन उदाहरणों से हमें ज्ञात होता है कि यदि भाज्य और भाजक विपरीत चिह्नों के हों तो भागफल ऋणात्मक होता है।

जब भाज्य तथा भाजक में एक धनात्मक तथा दूसरा ऋणात्मक हो तो भागफल ऋणात्मक होता है ।

गतिविधि- आजकल आपके गाँव में नीम के पेड़ पर बहुत सारी निबोरियां आ रही होंगी। आप लोग एक मुट्ठी भर के निबोरियां लेकर आए ओर उन्हें बराबर बराबर 10 भागों में बांटे। तो देखें फिर कितनी निबोरियां प्रत्येक भाग में आ रही हैं ।

उत्तर माला कार्य पत्रक 20 -
1.) (क) 160,(ख) 1000, 2.) 0, 3.) 62500

भाग संक्रिया के प्रगुण

(1) $6 \div 3 = 2$; $10 \div 2 = 5$ तथा $-8 \div 4 = -2$
यहाँ भागफल 2, 5 तथा – 2 पूर्णांक हैं।
किन्तु $8 \div 3 =$ (पूर्णांक नहीं है)
$-7 \div 11 =$ (पूर्णांक नहीं है)

अत: दो पूर्णांकों का भागफल सदैव पूर्णांक नहीं होता है।

(2) शून्येतर पूर्णांक की दशा में -
$3 \div 3 = 1$; $(-6) \div (-6) = 1$
$(-2) \div (-2) = 1$

अत: किसी शून्येतर पूर्णांक में उसी पूर्णांक से भाग देने पर भागफल सदैव 1 होता है।

(3) $5 \div 1 = 5$; $-3 \div 1 = -3$
तथा $0 \div 1 = 0$

अत: किसी पूर्णांक में 1 से भाग देने पर भागफल वही पूर्णांक होता है।

(4) $0 \div 3 = 0$; $0 \div (-2) = 0$
तथा $0 \div 7 = 0$

अत: पूर्णांक 0 में किसी शून्येतर पूर्णांक से भाग देने पर प्रत्येक दशा में भागफल '0' आता है।

(5) किसी पूर्णांक में '0' का भाग परिभाषित नहीं है।

अत: किसी पूर्णांक में '0' से भाग देने पर वह अपरिभाषित ही रहेगा।

अभ्यास कार्य-
1. भागफल ज्ञात कीजिए ।
(क) $21 \div (-3)$ (ख) $-36 \div 9$
(ग) $35 \div (-7)$ (घ) $(-51) \div 1$
(ड़) $0 \div (-11)$ (च) $(-729) \div (-9)$
2. (क) $1051 \div (-1)$
(ख) $20000 \div (-1000)$
(ग) $17672 \div (-17672)$

विषय- गणित पाठ- पूर्णांक कक्षा - 6

प्रकरण- कोष्ठकों का प्रयोग क्रमांक - 21

मिशन शिक्षण संवाद

कोष्ठकों (Brackets) का प्रयोग

आज एक मजेदार किस्सा हुआ जब मैं बाजार गयी तो मैंने देखा कि - सविता एवं गौरी दोनों सहेली हैं। आज दोनों सेब खरीदने बाजार गयीं । सविता ने 3 किग्रा सेब और गौरी ने 5 किग्रा सेब खरीदे । यदि दुकानदार रु. 40 प्रति किग्रा की दर से सेब बेच रहा है तो दोनों मिलकर दुकानदार को कितने रुपये देंगी ?

सविता ने कुछ इस तरह से हिसाब लगाया

3 + 5 × 40= 3 + 200= रु 203

गौरी ने पहले दोनों सहेलियों द्वारा खरीदे गये सेब की कुल मात्रा 3 किग्रा सविता +5 किग्रा गौरी = 8 किग्रा सेब

कुल धनराशि =8 × 40

= रु 320

सोचिए, किसका हिसाब सही है और क्यों ?

दुकानदार बताता है कि गौरी ने सही हिसाब लगाया है और उसे कुल रू 320 ही चाहिए । दोनों दुकानदार को रू320 अदा कर देती हैं किन्तु सविता के मन में एक उलझन बनी रहती है कि उसका हिसाब क्यों गलत है। सविता घर आकर अपनी ब़ड़ी बहन सुमन से पूछती है तो सुमन सविता को ऐसी स्थिति में कोष्ठकों का प्रयोग करके हल करने की बात निम्नवत् समझाती है :

कुल धनराशि = (3 + 5) × 40

= रु 8 ×40

=320

गणित में सामान्यत: निम्नलिखित चार प्रकार के कोष्ठकों का प्रयोग होता है ।

प्रतीक नाम

— रेखा कोष्ठक (Line Bracket)

( ) छोटा कोष्ठक (parentheses ; round bracket)

{ } मँझला कोष्ठक (braces, Curly bracket)

[ ]बड़ा कोष्ठक (square bracket)

कोष्ठकों के सरलीकरण में ***'कोकाभागुयोघ'*** नियम का पालन अधिक सुविधाजनक रहता है, जहाँ को =कोष्ठक, का =का, भा =भाग, गु =गुणा, यो =योग, घ =घटाना ।

उदाहरण 1: $14-[12-\{9-\overline{(7-4)}\}]$ को सरल कीजिए ।

हल-: 14– [12 – {9 – (7 –4)}]

=14– [12– {9– (7– 4)}] रेखा कोष्ठक हटाने पर

=14 – [12– {9– 3}] छोटा कोष्ठक हटाने पर

= 14– [12 – 6] मँझला कोष्ठक हटाने पर

= 14 – 6 बड़ा कोष्ठक हटाने पर

= 8

अभ्यास कार्य:-

1- निम्नांकित का मान ज्ञात कीजिए

(i) 21 + 18 ÷ 3 (ii) 123 – 81 ÷ 9

(iii) 13 – (8 × 2) + 3

2. कोष्ठकों की सहायता से निम्नलिखित कथनों के लिए गणितीय पद संहति लिखिए ।

(क) आठ से छ और तीन के योगफल का गुणा ।

(ख) अठारह में चार और दो के योगफल का भाग

3.सरल कीजिए

(क) 20 + {9 – 5 + (6 – 4)}

(ख) 80 × [56 – {7 × 8 + (13 – 2 × 5)}]

गतिविधि- यह गतिविधि दो दोस्तों के मध्य होगी यह गतिविधि एक मिनट के लिए होगी और 0 से शुरू होगी जैसे सीटी बजेगी एक बच्चा दाहिने तरफ और एक बच्चा बायें तरफ दौड़ेगा। 1 मिनट बाद वह दोनों अपने कदमों को गिनेंगे।दाएं तरफ वाला धनात्मक पूर्णांक में गिनेगा और बाएं तरफ वाला ऋणात्मक पूर्णांक गिनेगा। अब देखो किसके कितने धनात्मक पूर्णांक है और किसके ऋणात्मक पूर्णांक हैं।

उत्तर माला कार्य पत्रक संख्या 20 -

1-: (क) -7, (ख) -4, (ग) -5, (घ) -5, (ड) 0, (च) 81

2-: (क) -105, (ख) -2, (ग) -1

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- कविता गुप्ता, अलीगढ़

विषय-**गणित** पाठ- **पूर्णांक** कक्षा - **6**

प्रकरण- **पूर्णांक सार** क्रमांक -**22**

मिशन शिक्षण संवाद

हमने इस इकाई से सीखा-

1. दैनिक जीवन में हमें अनेक बार विपरीतताओं के मापन, छोटी पूर्ण संख्या से बड़ी पूर्ण संख्या घटाने की आवश्यकता पड़ती है जिसके कारण पूर्ण संख्याओं के संग्रह को विस्तारित करना पड़ता है । इसके लिए प्राकृतिक सखुंयाओं 1, 2, 3, 4, ... के संगत हम नयी संख्याएं -1, -2, -3, -4, ... बनाते हैं।
2. पूर्णांकों के संग्रह में 1, 2, 3, 4, ... अर्थात् प्राकृतिक संख्याएँ धन पूर्णांक और -1, -2,-3, ... ऋण पूर्णांक कहलाते हैं । शून्य मात्र एक ऐसा पूर्णांक है जो न तो धनात्मक है और न ऋणात्मक।
3. पूर्णांकों को संख्या रेखा पर प्रदर्शित किया जा सकता है । प्रत्येक धन पूर्णांक +x के संगत एक ऋण पूर्णांक -x होता है । दोनों का योगफल सदैव '0' होता है, अर्थात् $x + (-x) = 0$,व्यापकत: x और -x परस्पर योगात्मक प्रतिलोम कहलाते हैं।
4. प्रत्येक धन पूर्णांक समस्त ऋण पूर्णांकों से बड़ा होता है ।
5. शून्य प्रत्येक धन पूर्णांक से छोटा और प्रत्येक ऋण पूर्णांक से बड़ा होता है ।
6. दो धन पूर्णांकों का योगफल धन पूर्णांक और दो ऋण पूर्णांकों का योगफल ऋण पूर्णांक होता है ।
7. असमान चिह्नों वाले पूर्णांकों का योगफल जोड़े जाने वाले पूर्णांकों के संख्यात्मक मानों के अन्तर के पूर्व बड़े संख्यात्मक मान वाले पूर्णांक का चिह्न लगा कर प्राप्त करते हैं ।
8. पूर्णांकों में योग संक्रिया में संवरकता, क्रमविनिमेयता और साहचर्यता होती है ।
9. पूर्णांकों में योग संक्रिया का तत्समक अवयव '0' होता है ।
10. पूर्णांकों में घटाने की संक्रिया संवरक है किन्तु क्रम विनिमेय और साहचर्यता नियम का पालन नहीं करती।
11. पूर्णांकों में घटाने का तत्समक अवयव नहीं होता ।
12. दो धन अथवा दो ऋण पूर्णांकों का गुणनफल सदैव धन पूर्णांक होता है किन्तु विपरीत चिह्न वाले पूर्णांकों का गुणनफल सदैव ऋण पूर्णांक होता है ।
13. पूर्णांकों में गुणन संक्रिया में संवरक, क्रमविनिमेय और साहचर्य प्रगुण होते हैं ।
14. गणना में अशुद्धियों से बचने के लिए कोष्ठकों का प्रयोग करते हैं ।
15. सामान्यतः क्रमानुसार रेखा कोष्ठक, छोटा कोष्ठक, मँझला कोष्ठक औरअन्त में बड़ा कोष्ठक हटाकर सरलीकरण की क्रिया की जाती है । नियम यह है कि कोष्ठक चाहे जिस क्रम में लगे हों, सबसे पहले अन्तर के कोष्ठक को क्रम से हटा कर सरलीकरण की क्रिया सम्पन्न की जाती है ।

अभ्यास कार्य-

सरल कीजिए

(क) $20 + \{9 - 5 + (6 - 4)\}$

(ख) $80 \times [56 - \{7 \times 8 + (13 - 2 \times 5)\}]$

(ग) $121 \div [16 - \{14 - 3\,(9 - 6)\}]$

(घ) $5\,[18 + \{3 + 6\,(5 - 3)\}]$

उत्तर माला कार्यपत्रक संख्या21

1. (i) 27, (ii) 114, (iii) 0
2. (क) $(6 + 3) \times 8$,

(ख) $18 \div (4 + 2)$,

3. (क) 26, (ख) −240

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- कविता गुप्ता, अलीगढ़

विषय- हिंदी पाठ- पोषक तत्त्व कक्षा - 6

प्रकरण- संतुलित आहार क्रमांक - 16

मिशन शिक्षण संवाद

आहार जीवन का आधार है। प्रत्येक प्राणी के जीवन के लिए आहार आवश्यक है। अत्यंत सूक्ष्म जीवाणु से लेकर बृहत्काय जंतुओं, मनुष्यों, वृक्षों तथा अन्य वनस्पतियों को आहार ग्रहण करना पड़ता है। वनस्पतियाँ अपना आहार पृथ्वी और वायु से क्रमश: अकार्बनिक लवण और कार्बन डाईआक्साइड के रूप में ग्रहण करती हैं। सूर्य के प्रकाश में पौधे इन्हीं से अपने भीतर उपयुक्त कार्बोहाइड्रेड, वसा और अन्य पदार्थ तैयार कर लेते हैं। मनुष्य तथा जंतु अपना आहार वनस्पतियों तथा जांतव शरीरों से प्राप्त करते हैं। इस प्रकार उनको बना बनाया आहार मिल जाता है, जिसके अवयव उन्हीं अकार्बनिक मौलिक तत्वों से बने होते हें जिनको वनस्पतियाँ पृथ्वी तथा वायु से ग्रहण करती हैं। अतएव जांतव वर्ग के लिए वृक्ष ही भोजन तैयार करते हैं। कुछ वनस्पतियों का औषधियों के रूप में भी प्रयोग होता है।

आहार या भोजन के तीन उद्देश्य हैं : (1) शरीर को अथवा उसके प्रत्येक अंग को क्रिया करने की शक्ति देना, (2) दैनिक क्रियाओं में ऊतकों के टूटने फूटने से नष्ट होनेवाली कोशिकाओं का पुनर्निर्माण और (3) शरीर को रोगों से अपनी रक्षा करने की शक्ति देना। अतएव स्वास्थ्य के लिए वही आहार उपयुक्त है जो इन तीनों उद्देश्यों को पूरा करे।

व्यायाम करना, सोना और आराम करने की तरह ही संतुलित आहार लेना भी जरूरी है। भोजन करने का मतलब यह नहीं होता कि कुछ भी खा लिया जाए। थोड़ा खाएं, लेकिन स्वच्छ और पोषण तत्वों से भरपूर भोजन ही करें। इससे न सिर्फ हम बीमारियों से दूर रहते हैं, बल्कि शारीरिक विकास भी अच्छी तरह होता है।

अभ्यास कार्य

1. भोजन का उद्देश्य बताओ।
2. स्वच्छ आहार से हमें क्या क्या लाभ हैं ?
3. सूर्य के प्रकाश से पौधे अपना भोजन कैसे बनाते हैं?
4. शरीर में कोशिकाओं के निर्माण के लिए किस की आवश्यकता होती है?
5. वसा का क्या कार्य होता है?

उत्तर माला

1. शरीर में सात तरह के पोषक तत्व होते हैं कार्बोहाइड्रेट, वसा, प्रोटीन , खनिज लवण, जल, न्यूक्लिक अम्ल और विटामिन।
2. हमारे शरीर 70% प्रोटीन से बना है।
3. शरीर को ऊर्जा प्रदान करना और नई स्फूर्ति बनाए रखने का कार्य कार्बोहाइड्रेट का होता है कार्बोहाइड्रेट चावल, चीनी, आलू, गेहूं, बाजरा और शकरकंद जैसे चीजों में पाया जाता है।
4. प्रोटीन शरीर की वृद्धि कोशिकाओं के निर्माण के लिए आवश्यक होता है। यह बादाम, दाल, मूंगफली, दूध, अंडा,मांस आदि में पाया जाता है।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- रंजना मिश्रा, उ० प्रा० वि० अहिबनपुर, महमूदाबाद, सीतापुर

(प्रस्तुत कविता में यशोधरा अपने पुत्र राहुल को एक कहानी के द्वारा महात्मा बुद्ध के दया और क्षमा जैसे गुणों के बारे में बताती है।)

'मां कह एक कहानी,
राजा था या रानी,
मां कह एक कहानी।'

'तू है हठी मानधन मेरे,
सुन उपवन में बड़े सवेरे।
तात भ्रमण करते थे तेरे,
जहां सुरभि मनमानी।'

'जहां सुरभि मनमानी।
हां! माँ यही कहानी।'

'वर्ण–वर्ण के फूल खिले थे,
झलमल कर हिम बिन्दु मिले थे।
हलके झोंके हिले–मिले थे,
लहराता था पानी।'

'लहराता था पानी।
हां–हां यही कहानी।'

व्याख्या–

माँ कह--------------यही कहानी।"

संदर्भ– प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक 'मंजरी' के 'मां कह एक कहानी' नामक कविता से लिया गया है। इसके रचयिता राष्ट्रकवि 'मैथिलीशरण गुप्त जी' हैं।

व्याख्या– राहुल अपनी मां यशोदा से कहता है– मां एक कहानी सुनाओ। राजा या रानी की कहानी सुनाओ।यशोधरा कहती है कि पुत्र तू हठ करता है तो सुन! एक दिन सुबह बगीचे में तुम्हारे पिता घूम रहे थे। वहाँ फूलों की सुगंध चारों ओर रही थी। इतना सुन कर राहुल कह उठता है कि हाँ माँ! मुझे यही कहानी सुनाओ।

"वर्ण– वर्ण-------------- यही कहानी।"

व्याख्या– रंग बिरंगे फूल खिले थे और उन पर ओस की बूँदें झिलमिला रही थी। हवा के हल्के– हल्के झोंके चल रहे थे। तालाबों में पानी लहरा रहा था।हाँ– हाँ , माँ यही कहानी सुनाओ।

शब्दार्थ

सुरभि = सुगंध
तात = पिता
खग = बकशी
खर = तीक्ष्ण
शर = बाण
करुणा = दया

अभ्यास कार्य–

1- मैथिलीशरण गुप्त का जन्म किस जिले में हुआ था?

2– मैथिलीशरण गुप्त की प्रमुख रचनाएं कौन-कौन सी हैं?

3– कहानी सुनने के बाद माता ने राहुल से क्या प्रश्न किया?

4– राहुल के उत्तर से उनके स्वभाव के विषय में क्या पता चलता है?

मैथिलीशरण गुप्त (जीवन परिचय)

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त का जन्म सन् 3 अगस्त 1886 ई० में चिरगांव, जिला झाँसी में हुआ था। राष्ट्रीय धारा के हिंदी कवियों में आपको महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। उन्होंने बहुत सी पुस्तकों की रचना की है । इनमें 'जयद्रथवध', 'भारत भारतीय', 'सिद्धराज', 'संकेत', 'यशोधरा' और 'पंचवटी' को विशेष ख्याति मिली है। इनका निधन 12 दिसंबर सन् 1964 ई० को हुआ था।

उत्तरमाला क्रमांक–20 –1– श्री रामचंद्र जी माता पिता और गुरु के परम भक्त, आज्ञाकारी, सहनशील, धैर्यवान, साहसी, प्रजा पालक तथा मर्यादा पुरुषोत्तम थे।

2– श्री राम के राज्याभिषेक के समय केकई ने राजा से दो वरदान मांगे एक बर में अपने पुत्र भरत के लिए अयोध्या का राज्य और दूसरे में राम के लिए चौदह वर्ष का वनवास।

3– श्री रामचंद्र जी के शासन मैं जनता सुख पूर्वक रहती थी। सब स्वस्थ और सुखी थे सभी आनंद पूर्वक जीवन व्यतीत करते थे। इसलिए राम राज्य को आदर्श राज्य कहा गया है।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- शशिवाला अग्निहोत्री स.अ.u.p.s.अमेठी जदीद फर्रूखाबाद

विषय- हिन्दी

प्रकरण- कविता

पाठ- माँ कह एक कहानी कक्षा - 6

क्रमांक - 22

मिशन शिक्षण संवाद

अब आगे----

'गाते थे खग कल-कल स्वर से,
सहसा एक हंस ऊपर से।
गिरा बिद्ध होकर खर शर से,
करते हुई पक्ष की हानी।'
हुई पक्ष की हानी।
करुणा भरी कहानी।'
'चौक उन्होंने उसे उठाया,
नया जन्म-सा उसने पाया।
इतने में आखेटक आया,
लक्ष्य सिद्धि का मानी।'
लक्ष्य सिद्धि का मानी।
कोमल कठिन कहानी।'
मांगा उसने आहत पक्षी,
तेरे तात किन्तु थे रक्षी।
तब उसने जो था खग भक्षी,
हठ करने की ठानी।'
हठ करने की ठानी।
अब बढ़ चली कहानी।

व्याख्या- 'गाते थे--------------------भरी कहानी

पक्षी कल-कल की आवाज करते हुए गा रहे थे, उसी समय अचानक नुकीले तीर से घायल होकर एक हंस नीचे गिरा। उसके पंख घायल हो गए थे यह कहानी बहुत ही करुणा भरी है।

व्याख्या- 'चौक------------------- कठिन कहानी।"

चौंककर उन्होंने उस पक्षी को उठा लिया । पक्षी को लगा कि उसने नया जन्म पा लिया हो । थोड़ी ही देर में शिकारी अपने अचूक निशाने पर खुश होता हुआ आ पहुँचा। उसे अपने लक्ष्य पर बहुत घमण्ड था। यह कहानी कोमल और कठोर भावनाओं वाली है।

व्याख्या-"माँगा उसने-------------चली कहानी।"

आखेटक ने घायल पक्षी पर अधिकार जताना चाहा; लेकिन तुम्हारे पिता उसकी रक्षा करने वाले थे तब मांस खाने वाला वह व्यक्ति उसे वापस करने की जिद करने लगा। इस प्रकार कहानी आगे बढ़ चली।

शब्दार्थ-

हिमबिंदु = बरफ की बूँदे
निर्दय = जिसके अंदर दया ना हो
उभय = दोनों
आग्रही = जिद्दी,
वारे = न्योछावर करना
निरअपराध = जिसने अपराध न किया हो

उत्तरमाला क्रमांक - 21

1-मैथिलीशरण गुप्त का जन्म झाँसी जिले के चिरगाँव नामक गाँव में हुआ था।
2- प्रमुखरचनाएँहै-यशोधर,सांकेत ,भारत भारती, सिद्धराज,
जयद्रथवध ,पंचवटी आदि।
3- कहानी सुनने के बाद माता ने राहुल से न्याय करने को कहा।
4- राहुल के उत्तर से पता चलता है कि उसका स्वभाव निष्पक्ष, विचारशील और दयाभाव रखने वाला है।

अभ्यास कार्य-

1- हंस को मारने वाले तथा बचाने वाले के बीच हुए विवाद का निर्णय राहुल ने क्या किया?
2- निम्नलिखित पद्यांश का भाव स्पष्ट कीजिए-

वर्ण-वर्ण के फूल खिले थे,
झलमल कर हिम बिंदु मिले थे।
हलके झोंके हिले- मिले थे,
लहराता था पानी।'

9458278429

बॉक्स में लिखी कविता पढ़िए और समझिए।
जिस प्रकार बेला, गुलाब, जूही, चंपा और चमेली जैसे अलग-अलग रूप रंग और खुशबू वाले फूल एक साथ गुँथकर सुंदर माला बनाते हैं, उसी तरह हमारे देश के विभिन्न धर्मों, जातियों, रूप-रंग, पहनावों एवं संस्कृतियों के लोगों से हमारा समाज बना है।

हिंदी देश के निवासी

हिंद देश के निवासी सभी जन एक हैं।
रंग-रुप, वेश, भाषा चाहे अनेक हैं।।
बेला, गुलाब, जूही-चंपा, चमेली।
प्यारे प्यारे फूल गुंथे माला में एक हैं।।
कोयल की कूक न्यारी, पपीहे की टेर प्यारी।
गा रही तराना बुलबुल, राग मगर एक है।।
गंगा, जमुना, ब्रह्मपुत्र, कृष्णा, कावेरी।
जाके मिल गई सागर में, हुई सब एक हैं।।

भारत विविधताओं का देश कहा जाता है। इसके विभिन्न भागों में अलग-अलग भौगोलिक एवं जलवायु की स्थितियाँ पाई जाती हैं। दक्षिण भारत का पठारी क्षेत्र विश्व की प्राचीनतम् कठोर चट्टानों द्वारा निर्मित है। उत्तर में विश्व का नवीनतम एवं सबसे ऊँचा पर्वत हिमालय है। भारत में एक ओर जहाँ चेरापूँजी और मासिनराम जैसे अत्यधिक वर्षा वाले भाग हैं वहीं पश्चिमी राजस्थान जैसे शुष्क मरुस्थलीय प्रदेश भी हैं।
संसार के विभिन्न भागों में रहने वाले लोगों का खान-पान, रहन-सहन, पहनावा, बोली आदि एक दूसरे से भिन्न है। समय-समय पर विश्व के विभिन्न भागों से लोग भारत आते रहे और यहाँ स्थायी रूप से बसते गए। इन लोगों के साथ नए धर्म, नए रीति-रिवाज़ तथा नई भाषाएँ आती गईं। इससे भारत की संस्कृति में विविधता आ गई।

अभ्यास प्रश्न

(1) भारत.........का देश कहा जाता है।
(2) पठारी क्षेत्र भारत के किस भाग में है?
(3) हिमालय पर्वत भारत के किस भाग में है?
(4) भारत में अत्यधिक वर्षा वाले स्थान कौन से हैं?

क्रमांक 16 के उत्तर

(1) तश्तरी के आकार के विशाल पट्टी
(2) बिग बैंग से
(3) आकाशगंगा को बनाने वाले बादल

8458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- पुनीत कुमार जैन,स०अ०,बिनौली(बागपत)

मिशन शिक्षण संवाद

विविध त्योहार

भारत के त्योहारों में भी विविधता मिली हुई है। विभिन्न धर्मों के अनुयायी अलग-अलग त्योहारों को मनाते हैं। होली, दीपावली तथा दशहरा हिन्दुओं के प्रमुख त्योहार हैं। ईद मुस्लिमों का, प्रकाश पर्व सिखों का तथा क्रिसमस ईसाइयों का प्रमुख त्योहार है। बौद्ध लोग बुद्ध पूर्णिमा, जैन महावीर जयन्ती तथा पारसी नवरोज उत्साह से मनाते हैं। कुछ त्योहार ऐसे भी हैं जिन्हें भारत के विभिन्न भागों में अलग नामों और अलग तरीकों से मनाया जाता है, जैसे- बैसाखी, ओणम तथा मकर संक्रान्ति फसल के पकने तथा काटने के अवसर पर मनाए जाने वाले त्योहार हैं।

इनके अलावा राष्ट्रीय पर्वों जैसे स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस तथा गाँधी जयन्ती को हम सभी भारतवासी मिल-जुल कर एक साथ राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ मनाते हैं।

दीपावली

ईद

क्रिसमस

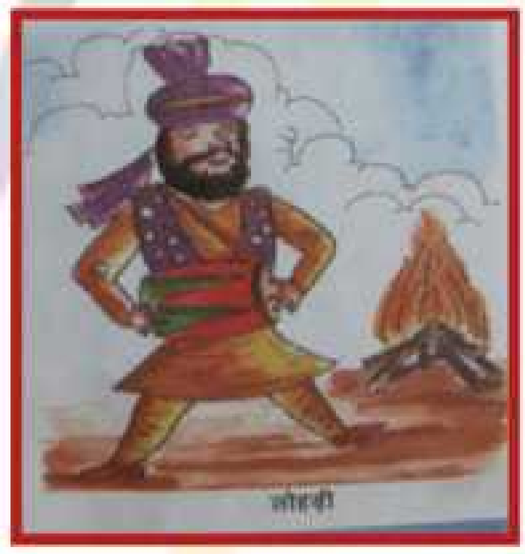
लोहड़ी

अनेक बोलियां

हमारे समाज में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, पारसी, जैन, बौद्ध और अन्य समुदाय एक साथ मिलजुल कर रहते हैं। हमारे देश में प्रत्येक 200 से 250 किमी० के बाद बोली, रहन-सहन और रीति-रिवाजों में अंतर हो जाता है। देश में लगभग 225 भाषाएं बोली जाती हैं जिनमें 22 भाषाएं मुख्य है जैसे- हिंदी, उर्दू, बांग्ला, उड़िया, मराठी, पंजाबी, तेलुगू, तमिल आदि।

हमारे प्रदेश (उत्तर प्रदेश) में मुख्यतः हिंदी भाषा बोली जाती है।

इन अलग-अलग भाषाओं में लिखा गया साहित्य हमारे देश की साहित्यिक समृद्धि को भी बढ़ाता है तो देश के एक भाग से दूसरे भाग में आने- जाने पर भाषा की यह विविधता कभी-कभी परेशानी का कारण भी बन जाती है।

अभ्यास प्रश्न

(1) उत्तर प्रदेश में मुख्यता कौन सी भाषा बोली जाती है?

(2) हमारे देश में कितनी भाषाएँ बोली जाती हैं?

(3) राष्ट्रीय पर्व कौन-कौन से हैं?

क्र० 18 के उत्तर

(1) विविधताओं

(2) दक्षिण

(3) उत्तर

(4) मासिनराम व चेरापूंजी

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- पुनीत कुमार जैन,स०अ०,बिनौली(बागपत)

देश के विविध नृत्य

हमारे देश के अलग-अलग क्षेत्रों की संस्कृति वहां के नृत्यों में झलकती है जैसे तमिलनाडु का भरतनाट्यम, उड़ीसा का ओडिसी, केरल का कथकली। इन नृत्यों की अपनी अलग निर्धारित पोशाकें, शैली तथा मुद्राएं होती हैं। यह सारे नृत्य भारतीय पौराणिक कथाओं पर आधारित हैं।

पहनावे में विविधता

हमारे देश के विभिन्न भागों में पहनावे की भी विविधता दिखाई देती है। साड़ी और धोती अनेक स्थानों पर पहने जाते हैं लेकिन उनके पहनने का ढंग बदल जाता है। पहनावों का संबंध उस क्षेत्र की जलवायु से भी होता है। कश्मीर में पहने जाने वाला फिरन जाड़े से बचाता है। राजस्थान में पहनी जाने वाली बड़ी-बड़ी पगड़ियाँ वहां के गर्म रेगिस्तानी मौसम से बचाती हैं।

अभ्यास प्रश्न

(1) भरत्नाट्यम कहाँ का नृत्य है?

(2) उडीसा राज्य के नृत्य का क्या नाम है?

(3) फिरन नामक पहनावा किस राज्य में प्रचलित है?

(4) कथकली नृत्य किस राज्य से सम्बंधित है?

क्र०-19 के उत्तर

(1) हिन्दी

(2) 225

(3) स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, बाल दिवस।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- पुनीत कुमार जैन,स०अ०,बिनौली(बागपत)

विषय- उर्दू पाठ- छुट्टी का दिन कक्षा -6th

प्रकरण- **व्याकरण** क्रमांक- **20**

मिशन शिक्षण संवाद

व्याकरण

قواعد

बच्चों हमने आपको व्याकरण में संज्ञा के बारे में बताया था। संज्ञा किसी जगह इंसान या चीज के नाम को कहते हैं। आज हम आपको एक वचन तथा बहुवचन और स्त्री लिंग, पुल्लिंग के बारे मे बताएंगे।

بچو ہم نے آپ کو قواعد میں اسم کے بارے میں بتایا تھا، کہ اسم کسی جگہ انسان کیا چیز کے نام کو کہتے ہیں۔ آج ہم آپ کو واحد جمع اور مونث مذکر کے بارے میں بتائیں گے۔

संज्ञा अगर अकेली है तो उसे एक वचन कहते हैं और अगर एक से अधिक हैं तो उसे बहुवचन कहते हैं जैसे चिड़िया, शहर, घोड़ा, सितारा एकवचन हैं या घोड़े, शहरों, सितारे यह शब्द बहुवचन हैं।

اسم اگر اکیلا ہے تو اسے واحد کہتے ہیں اور اگر ایک سے زائد ہیں تو اسے جمع کہتے ہیں۔ مثلا چڑیا شہر گھوڑا ستارہ واحد ہیں، چڑیا گھوڑے، شہرو ستارے یہ لفظ جمع ہیں۔

(आओ जानें)

संज्ञा या तो पुल्लिंग होगा या स्त्रीलिंग होगा।
जैसे,, चिड़िया,बकरी, यह शब्द स्त्रीलिंग हैं।
घोड़ा,बकरा,चिड़ा यह शब्द पुल्लिंग हैं।

(آؤ جانیں)

اسم یا تو مزکر ہوگا یا مؤنث جیسے بکرا،گھوڑا،حامد،یہ لفظ مزکر ہیں۔
بکری،چڑیا،صبا،یہ لفظ مؤنث ہیں۔

आज की गतिविधि

नीचे लिखे हुए शब्दों में कौन पुल्लिंग है, और कौन स्त्रीलिंग अलग-अलग करके लिखो। बकरी,बकरा,शेर, हामिद, घोड़ा,घोड़ी

آج کی سرگرمی

مندرجہ ذیل الفاظ میں کون مزکر ہے اور کون سا لفظ مؤنث ہے الگ الگ لکھیں۔
بکرا،بکری، گھوڑا،چڑیا،حامد،شیر،

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- **Nadiya Hasan Naqvi**

सबक़ का तआरुफ़ (पाठ परिचय

سبق کا تعارف

بچوں آج ہم آپ کو سائنس کی ایسی ایجاد کے بارے میں بتانے جا رہے ہیں جس نے انسان کی زندگی میں ایک انقلاب برپا کر دیا۔ جی ہاں ہم بات کر رہے ہیں موبائل فون کی جس کو آپ سب نے آج ہر شخص کے پاس دیکھا ہوگا یہ موبائل فون جسے امریکہ کے مارٹن کوپر نے بنایا ہے۔ موبائل نے ہماری ضرورتوں کو پورا کرنے میں بڑی آسانی پیدا کر دی ہے ہم اس سے نہ صرف بات کر سکتے ہیں بلکہ اس چھوٹے سے آلے کو کیلکولیٹر، کیمرہ، ریڈیو، ٹی وی کی جگہ بھی استعمال کرسکتے ہیں۔ اس میں موجود انٹرنیٹ کی کی مختلف سائٹس پر طرح طرح کی سائٹس موجود ہیں۔ ہم نہ صرف بات کر سکتے ہیں بلکہ اپنے خیالات کو تحریری شکل میں ایک شخص سے مختلف افراد کو ارسال بھی کر سکتے ہیں۔ اس میں موجود فیس بک واٹس ایپ کے ذریعے ہم دوسروں تک اپنی بات آسانی سے پہنچا سکتے ہیں

बच्चों आज हम आपको साइंस की ऐसी ईजाद के बारे में बताने जा रहे हैं जिसने इंसान की जिंदगी में एक इंकलाब(क्रांती) बरपा(पैदा) कर दिया। जी हां हम बात कर रहे हैं मोबाइल फोन की जिसको आप सब ने आज हर शख्स के पास देखा होगा यह मोबाइल फोन जिसे अमेरिका के मार्टिन कूपर ने बनाया है। मोबाइल ने हमारी जरूरतों को पूरा करने में बड़ी आसानी पैदा कर दी है हम इससे ना सिर्फ बात कर सकते हैं बल्कि छोटे से आले को केलकुलेटर, कैमरा, रेडियो, टीवी की जगह भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसमें मौजूद इंटरनेट की मुख्तलिफ(भिन्न भिन्न) साइट्स पर तरह-तरह की साइट्स मौजूद हैं हम ना सिर्फ बात कर सकते हैं बल्कि आपने ख्यालात (विचारों) को तहरीरी शक्ल में एक शख्स से दो मुख्तलिफ अफ़राद (लोग) को इरसाल (भेजना) भी कर सकते हैं। इसमें मौजूद फेसबुक, व्हाट्सएप के जरिए हम दूसरों तक अपनी बात आसानी से पहुंचा सकते हैं।

प्रश्न,, बच्चो आज हमने आपको साइंस की किस ईजाद के बारे में बताया?
प्रश्न,, मोबाइल किसने ईजाद किया?
प्रश्न,, मोबाइल से हम और किन किन चीजों का इस्तेमाल कर सकते हैं?
प्रश्न,, मार्टिन कूपर कहां के रहने वाले हैं?

سوال۔۔بچو آج ہم نے آپ کو سائنس کی کس ایجاد کے بارے میں بتایا؟
سوال۔۔موبائل کس نے ایجاد کیا؟
سوال۔۔موبائل سے ہم اور کن کن چیزوں کا استعمال کر سکتے ہیں؟
سوال۔۔مارٹن کوپر کہاں کے رہنے والے تھے

नज़्म का सारांश

نظم کا خلاصہ

بچوں آج ہم آپ کو کھیل کی اہمیت کے بارے میں بتائیں گے۔ یہ نظم حامد حسن قادری صاحب نے لکھی ہے، جو بچوں کے شاعر تھے۔ انھوں نے اس نظم میں کھیل اور علم کی خوبیاں بیان کی ہیں۔ بچوں ہم سب جانتے ہیں کہ جس طرح علم حاصل کرنا زندگی کے لیے ضروری ہے اسی طرح کھیل بھی ہماری صحت کے لیے ضروری ہے۔ کھیل سے ہمارے جسم کو تقویت ملتی ہے اور ذہن تازہ ہو جاتا ہے۔ ہمارے اسکولوں میں اسی لیے ہفتے میں ایک دن چھٹی کا ہوتا ہے کہ ہم علم کے ساتھ ساتھ چھٹی میں مختلف کھیل کھیل کر اپنے جسم کو تروتازہ رکھ سکیں۔ کھیل دو قسم کے ہوتے ہیں ایک تو جسم کو ورزش کراتے ہیں، جیسے فٹ بال، ہاکی، بیڈمنٹن وغیرہ اور دوسرے ذہن کو تازہ کرنے والے کھیل جیسے شطرنج، لوڈو، تاش وغیرہ ہمیں علم کے ساتھ ساتھ کھیل کو بھی اہمیت دینا چاہئے۔

बच्चों आज हम आपको खेल की अहमियत के बारे में बताएंगे। यह नज़्म हामिद हसन कादरी साहब ने लिखी है, जो बच्चों के शायर थे। उन्होंने इस नज़्म में खेल और शिक्षा की खूबियां बयान की हैं। बच्चों हम सब जानते हैं कि जिस तरह शिक्षा हासिल करना जीवन के लिए जरूरी है उसी तरह खेल भी हमारी सेहत के लिए जरूरी हैं। खेल से हमारे जिस्म को ताकत मिलती है और दिमाग़ ताज़ा हो जाता है। हमारे स्कूलों में इसीलिए हफ्ते में एक दिन छुट्टी का होता है कि हम शिक्षा के साथ-साथ छुट्टी में भिन्न भिन्न प्रकार के खेल खेलकर अपने जिस्म को तरोताजा रख सकें। खेल दो किस्म के होते हैं एक तो जिस्म को वरज़िश कराते हैं जैसे फुटबॉल, हॉकी, वगैरा और दूसरे दिमाग़ को ताजा करने वाले खेल जैसे शतरंज, लूडो, ताश वगैरह हमें शिक्षा साथ साथ खेल को भी अहमियत देना चाहिए।

अभ्यास कार्य

प्रश्न,, खेल हमारे लिए क्यों ज़रूरी है?
प्रश्न,,इस नज़्म के शायर कौन हैं?
प्रश्न,, जिस्म को ताकत देने वाले खेलों के नाम लिखिए?
प्रश्न,, दिमाग़ को ताजा करने वाले खेल कौनसे हैं?

مشق

سوال۔۔کھیل ہمارے لئے کیوں ضروری ہیں؟
سوال۔۔اس نظم کے شاعر کون ہیں؟
سوال۔۔ جسم کو تقویت دینے والے کھیلوں کے نام لکھئے؟
سوال۔۔ذہن کو تازہ کرنے والے کھیل کون سے ہیں؟

क्रमांक 18 के उत्तर
(1) जार्ज स्टीफ़ेनसन
(2) विल्बर राईट,आरवल राईट

ترتیب 18 کے جواب
(1) جارج اسٹیفنسن
(2)ولبر رائٹ،ارول رائٹ

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- Nadiya Hasan Naqvi

- छानना (Filteration)

साधारणतया फलों तथा सब्जियों के रसों को पीने से पहले उनसे बीजों तथा ठोस गूदी को पृथक किया जाता है। इसके लिए छानने की विधि का प्रयोग करते हैं। घर में चाय को आपने अवश्य छाना होगा। द्रव में अघुलनशील पदार्थ के मिश्रण के घटकों को छानकर पृथक किया जा सकता है।

- छानना-पत्र (Filter Paper)

छानना-पत्र (सोख्ता पत्र) गोल आकार का कागज का बना होता है इसमें अत्यन्त छोटे छोटे छिद्र होते हैं। इससे हम छोटे कणों को द्रव से छानकर पृथक करते हैं।

◆ क्रियाकलाप ◆ एक छानना पत्र लें । उसे तिकोनी आकृति में मोड़ कर एक फनल में लगायें । फनल के नीचे एक बीकर रखें। अब एक दूसरे बीकर या गिलास में मिट्टी मिला हुआ गंदा पानी लेकर उसे धीरे-धीरे फनल में डालें।

छानना

हम देखते हैं कि साफ पानी फनल से निकल कर बीकर में एकत्र होता है । यह प्रक्रिया भी छानना ही है। यहाँ मिश्रण में से सूक्ष्म आकार के अघुलनशील पदार्थ को पृथक करने के लिए सूक्ष्म छिद्रों वाला छन्ना कागज (फिल्टर पेपर) उपयोग किया गया। अत: छन्ने का चयन मिश्रण के कणों के आकार के अनुसार किया जाता है।

- अपकेन्द्रण (Centrigugation)

क्या आपने घरों में दही को मथनी से फेंट कर मक्खन और छाछ को पृथक करते अथवा डेयरी में दूध से मक्खन को पृथक करते देखा है। दूध में चिकनाई (क्रीम) के हल्के कण निलंबित होते हैं। दूध को किसी बड़े बर्तन में लेकर मथनी द्वारा तीव्र गति से घुमाया जाता है। जिससे चिकनाई के हल्के कण भारी कणों से पृथक हो जाते हैं इस प्रक्रम को अपकेन्द्रण कहते हैं। दूध के भारी कण तली की ओर आ जाते हैं। हल्के कण (मक्खन) बर्तन में ऊपर आ जाते हैं जिन्हें पृथक कर लिया जाता है ।

अपकेन्द्रण

3. घुलनशील ठोस पदार्थों को द्रव से पृथक करना

घुलनशील ठोस पदार्थों को द्रव से पृथक करने के लिए वाष्पन विधि का उपयोग किया जाता है।

- वाष्पन विधि (Evaporation)

लगभग आधा मग पानी लेकर उसमें थोड़ा नमक घोलें। इस पानी को गर्म कीजिए। आप देखते हैं कि थोड़ी देर बाद बीकर का सारा पानी वाष्प बनकर उड़ जाता है और बीकर में नमक शेष रह जाता है।किसी द्रव का वाष्प मे परिवर्तित होना वाष्पन कहलाता है तथा यह क्रिया वाष्पीकरण कहलाती है। यह क्रिया प्रत्येक ताप पर निरन्तर होती रहती है। इसी विधि द्वारा समुद्र से नमक प्राप्त किया जाता है।

◆ अभ्यास प्रश्न (क्रमांक-20) ◆

1) द्रव में अघुलनशील पदार्थ के मिश्रण के घटकों को कैसे पृथक किया जा सकता है?
2) फिल्टर पेपर किस आकार का होता है?
3) डेयरी में दूध से मक्खन कैसे पृथक किया जाता है?
4) घुलनशील ठोस पदार्थों को द्रव से पृथक करने के लिए किस विधि का उपयोग किया जाता है?
5) किस विधि द्वारा समुद्र से नमक प्राप्त किया जाता है?

◆ उत्तरमाला (क्रमांक-19) ◆

1) ऊर्ध्वपातन, 2) कपूर का जलना, 3) ऊर्ध्वपातन विधि, 4) तलछटीकरण अथवा निथारने की क्रिया द्वारा, 5) तलछटीकरण अथवा अवसादन

-आसवन विधि (Distillation)

एक धातु की प्लेट लीजिए जिस पर कुछ बर्फ रखी हो। प्लेट को केतली की टोंटी के ठीक ऊपर पकड़िए। गर्म करने पर केतली का सारा पानी भाप में बदल जाता है, जब भाप बर्फ से ठंडी की गई प्लेट के सम्पर्क में आती है तो वह द्रव जल बन जाती है। यह द्रव बूँद-बूँद बनकर बीकर में इकट्ठी हो जाती है। भाप के द्रव में परिवर्तित होने की क्रिया को संघनन कहते हैं।

किसी विलयन से वाष्पीकरण और संघनन विधि द्वारा शुद्ध द्रव को प्राप्त करने की प्रक्रिया को आसवन कहते हैं।

वाष्पन तथा संघनन

-क्रिस्टलीकरण (Crystallization)

एक बीकर में आधे भाग से अधिक पानी भरें। इसमें फिटकरी को तब तक घोलते जायें जब तक कि पानी में फिटकरी का घुलना बन्द न हो जाये, ऐसे विलयन को संतृप्त विलयन कहते हैं। इस घोल को गरम करें। गरम करने पर फिटकरी की जल में विलेयता बढ़ जाती है, अर्थात् फिटकरी की कुछ और मात्रा जल में घुल जाती है। अब इस घोल को बिना हिलाये ठंडा करें। कुछ घंटों बाद फिटकरी के शुद्ध क्रिस्टल प्राप्त हो जाते हैं। इस प्रक्रिया को क्रिस्टलीकरण कहते हैं ।

4. दो अमिश्रणीय द्रवों को पृथक करना

क्रियाकलाप

पानी और मिट्टी के तेल का मिश्रण लें इस मिश्रण को पृथक्कारी कीप में डालें और हिला कर स्थिर होने दें। क्या देखते हैं ? कीप में दो पृथक पर्तें दिखाई पड़ती हैं। दोनों पर्तों को पहचानें। कौन सी पर्त ऊपर है ?

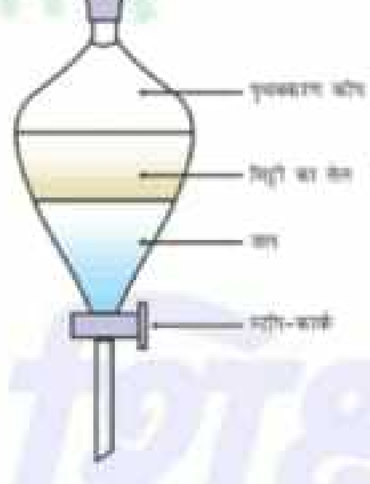

मिट्टी का तेल पानी से हल्का होता है, इसलिए यह पानी के ऊपर रहता है। अब पृथक्कारी कीप की स्टॉप-कॉक को खोलें और निचली पर्त में एकत्र द्रव को एक बीकर में निकाल कर एकत्र करें। एकत्र किया द्रव पानी है। कीप में बचा द्रव मिट्टी का तेल है । आप देखेंगे कि केवल एक या दो बूँद पानी ही मिट्टी के तेल में शेष बचा रहता है, बाकी पानी मिट्टी के तेल से पृथक कर लिया जाता है।

पृथक्कारी कीप

◆ अभ्यास प्रश्न (क्रमांक-21) ◆

1) भाप के द्रव में परिवर्तित होने की क्रिया को क्या कहते हैं?

2) किसी विलयन से वाष्पीकरण और संघनन विधि द्वारा शुद्ध द्रव को प्राप्त करने की प्रक्रिया को क्या कहते हैं?

3) दो अमिश्रणीय द्रवों को किसकी सहायता से पृथक कर सकते हैं?

4) क्या संतृप्त विलयन को गर्म करने पर विलेयता बढ़ जाती हैं?

5) गर्म करने पर विलेय की अतिरिक्त मात्रा जो विलयन में घुल जाती है ठंडा करके उसे शुद्ध क्रिस्टल के रूप में प्राप्त किया जा सकता है, इस प्रक्रिया को क्या कहते है?

◆ उत्तरमाला (क्रमांक-20) ◆

1) छानकर

2) गोल आकार का

3) अपकेन्द्रण द्वारा

4) वाष्पन विधि द्वारा

5) वाष्पन विधि द्वारा

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- अखिलेश कुमार, स०अ०, कम्पोजिट विद्यालय मखुनी, शिक्षा क्षेत्र-रानीपुर, जनपद-मऊ

मिशन शिक्षण संवाद

5. चुम्बकीय पृथक्करण विधि

क्रियाकलाप

एक प्लेट में लकड़ी का बुरादा, लोहे की कील, सुई लें। एक चुम्बक को प्लेट के पास ले जाएँ। आप क्या देखते हैं?

चुम्बक में लोहे की कील व सुई चिपक जाते हैं। इन्हें एक अलग प्लेट में एकत्रित कर लेते हैं। लकड़ी का बुरादा उसी प्लेट में रह जाता है। इस प्रकार लोहे की वस्तुएँ पृथक कर ली जाती हैं। पृथक्करण की यह विधि चुम्बकीय पृथक्करण कहलाती है।

(चुम्बकीय पृथक्करण)

चुम्बकीय पृथक्करण विधि द्वारा बड़े-बड़े कारखानों में रद्दी मिश्रण से लोहे के अवयवों को पृथक कर लेते हैं।

6. क्रोमैटोग्राफी (Chromatography)

प्राय: अपने आस-पास विभिन्न रंगों की वस्तुएँ दिखाई देती हैं। हमें प्रतीत होता है कि जो रंग दिखाई दे रहा है वही उसका मूल रंग है।

क्या आप जानते हैं स्याही का दिखाई देने वाला नीला रंग किन रंगों से मिलकर बना है।

हम कैसे पता लगायेंगे कि नीला रंग, कई रंगों से मिलकर बना है। हम क्रोमैटोग्राफी विधि द्वारा इसकी जानकारी कर सकते हैं।

क्रियाकलाप

एक सफेद खड़ी चाक लें। चॉक के नीचे वाले हिस्से से थोड़ा ऊपर ड्रॉपर से बूँद-बूँद स्याही डालकर चारों ओर एक लाइन बनाएँ। एक प्लेट में थोड़ा पानी लेकर उसमें चॉक का चौड़ा वाला हिस्सा रखें। ध्यान रखें - जल स्तर, स्याही लगी निशान के नीचे ही रहे।

कुछ देर पश्चात निरीक्षण करें -

-क्या चॉक जल सोख रहा है ?

-क्या स्याही के रंग में कोई परिवर्तन दिखाई दे रहा है ?

-क्या कई रंगों की पट्टियाँ चॉक पर दिखाई दे रही हैं ?

-चॉक में नीली स्याही के अतिरिक्त और रंग कहाँ से आया ?

नोट : चॉक के ऊपरी सतह तक जल के अवशोषण किए जाने के पूर्व ही चॉक पानी (जल) से बाहर निकाल लें।

आपने चॉक के निचले सतह से ऊपरी सतह तक रंगों के पैटर्न में क्या अन्तर देखा ?

अपनी अभ्यास पुस्तिका (कॉपी) में चॉक पर दिखने वाले रंगों की पट्टियों का चित्र बनाएँ।

हम देखते हैं कि स्याही में केवल एक नीला रंग दिखाई देता है परन्तु वास्तविकता में यह स्याही कई रंगों से मिलकर बनी होती है। रंगों के पृथक्करण की यह विधि क्रोमैटोग्राफी विधि कहलाती है।

क्रोमैटोग्राफी

◆ अभ्यास प्रश्न (क्रमांक-22) ◆

1) रंगों में पाए जाने वाले विभिन्न अवयवों को पृथक करने में किस विधि का प्रयोग करते हैं?

2) किस विधि द्वारा बड़े-बड़े कारखानों में रद्दी मिश्रण से लोहे के अवयवों को पृथक कर लेते हैं?

◆ उत्तरमाला (क्रमांक-21) ◆

1) संघनन
2) आसवन
3) पृथक्कारी कीप की सहायता से
4) हाँ
5) क्रिस्टलीकरण

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- अखिलेश कुमार, स०अ०, कम्पोजिट विद्यालय मखुनी, शिक्षा क्षेत्र-रानीपुर, जनपद-मऊ

Subject- English Lesson- 6 Class-06

Topic- Celebrating Independence Day S.N.- 20

मिशन शिक्षण संवाद

Shubhi: What will you do with the flag tomorrow?

Ritesh : We are going to have a parade in the school. The National Flag will be hoisted and we will sing the National Anthem.

Shubhi : What else will be done on this day?

Ritesh : On this day we salute the heroic deeds of our freedom fighters. Gandhiji, Sardar Patel, Subhash Chandra Bose, Bhagat Singh and many others fought for many years to make India a free country.

अनुवाद

शुभी. आप इस झंडे का कल क्या करेंगे?

रितेश .हमारे स्कूल में एक परेड होगी, राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा और हम राष्ट्रगान गाएंगे।

शुभी .इस दिन और क्या किया जाएगा।

रितेश .हम इस दिन अपने स्वतंत्रता सेनानियों के बहादुरी के कार्य का सलाम करते हैं। गांधी जी, सरदार पटेल, सुभाष चंद्र बोस,भगत सिंह और बहुत से सैलानियों ने कई वर्षों तक लड़ाई लड़ी ताकि भारत एक स्वतंत्र देश बन सके।

शुभी . रितेश क्या आप किसी कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं।

Homework

Fill in the blanks from the words given in the box :
(sacrifice, society, freedom, country)

a. Each member of the _______ should work for the prosperity of the country.

b. I love my _______.

c. We got _______ from the British Rule on 15 August 1947.

d. We should be ready to _______ our lives for our country.

Word meaning

Hosted – फहराना

National anthem –राष्ट्र गान

Salute –सलामी

Freedom fighter– स्वतंत्रता सेनानी

Answers of sheet 19

1. Saffron stands for sacrifices white for peace and green for prosperity the 24 spokes of the Ashok Chakra represent the precious 24 hour of the day

9458278429

Made by- Pratibha sharma,Ups–Faridpur,Sambhal

Subject- English **Lesson-6** **Class-06**

Topic- Celebrating Independence Day **S.N.-21**

मिशन शिक्षण संवाद

Shubhi : Ritesh, are you taking part in any of the programmes?
Ritesh : Yes, I will deliver a speech.
Shubhi : What are you going to say in your speech?
Ritesh : I have written not only about the importance of Independence Day but also about our duties towards our nation.
Shubhi : What are our duties towards the nation?
Ritesh : To do good for the society.
Shubhi : How can we do that?

अनुवाद

शुभी:. रितेश,क्या आप किसी कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं?
रितेश : हाँ,मैं एक भाषण दूँगा।
शुभी : आप अपने भाषण में क्या कहेंगे।
रितेश : मैंने ना सिर्फ स्वतंत्रता दिवस के बारे में लिखा है बल्कि हमारे अपने देश को लेकर अपने कर्तव्य के बारे में भी लिखा है।
शुभी : हमारे देश को लेकर क्या कर्तव्य है?
रितेश : समाज के लिए अच्छा करना।
शुभी : हम ऐसा कैसे कर सकते हैं

Wordmeaning

Programme – कार्यक्रम
Speech– भाषण
Importance – महत्व
Duties – कर्तव्य
Nation– राष्ट्र
Society– समाज

Answers of sheet 20

a –Society
b –Counntry
c –Freedom
d –Sacrifice

Homework

1 . Change the words given in the brackets into the plural and fill in the blanks:

a. Boil the ______ . (potato)
b. Mango ______ are green. (leaf)
c. My mother is fond of ______. (watch)
d. The table is four ______ long. (foot)

2. Let's learn :

Singular	Plural
child	children
man	men
woman	women
tooth	teeth
knife	knives
mango	mangoes

9458278429

Made by- Pratibha sharma,Ups–Faridpur,Sambhal

Subject-English **Lesson-** 6 **Class-06**

Topic- Celebrating Independence Day **S.N.-** 22

मिशन शिक्षण संवाद

Ritesh : By helping others, maintaining cleanliness, planting trees, respecting elders and so on.
Shubhi : It means every one must do one's bit to improve one's surroundings.
Ritesh : Yes Shubhi, if we all do a little, it will help our country.
Shubhi : Brother, tomorrow I will give my old toys and clothes to the poor children.
Ritesh : Very good Shubhi, this is also one of the ways to

अनुवाद

रितेश : दूसरों की मदद करके, सफाई बनाए रखकर, पेड़ लगाकर, बड़ों का सम्मान करके आदि।
शुभी : इसका मतलब हर एक को अपने आसपास को बेहतर बनाने के लिए कुछ ना कुछ करना ही चाहिए।
रितेश : हाँ शुभी,यदि हम सभी थोड़ा थोड़ा योगदान दें, हमारे देश को मदद मिलेगी।
शुभी :भैया,कल मैं अपने पुराने खिलौने और कपड़े गरीब बच्चों को दूँगी।
रितेश : बहुत अच्छा शुभी,यह भी एक तरीका है अपने देश की सेवा करने का।

Wordmeaning

Respecting – आदर करना
Elders. – बडा
Improve – सुधार करना
Maintaining– बनाकर
Surroundings– आसपास
little – छोटा

Answers of sheet 21

1 a.Potatoes
b.leaves
c.Watches
d. Feet

Homework

1. How can we do good for the society?
2 . Whom did Shubhi want to give her old toys and clothes to, and why?
3 .Write the opposite of these words–
good,respect,old,elder,clean

9458278429
Made by- Pratibha sharma,Ups–Faridpur,Sambhal

विषय- **गृहशिल्प** पाठ- **पोषक तत्व** कक्षा - **6**

प्रकरण- **संतुलित आहार** क्रमांक - **17**

मिशन शिक्षण संवाद

कार्बोहाइड्रेट

कार्बोहाइड्रेट्स साधारण चीनी होती है अथवा वे पदार्थ होते हैं, जिन्हें जल अपघटन द्वारा चीनी में परिवर्तित किया जा सकता है। ये कार्बन, हाइड्रोजन और आक्सीजन से मिलकर बनते हैं, जिनमें अंतिम दो आनुपातिक मिश्रण से जल बनाया जा सकता है और इसलिए इन्हें कार्बोहाइड्रेट कहा जाता है।

कार्बोहाइड्रेट के स्रोत:-

1. वेतसार - चावल, गेहूँ, मक्का, साबूदाना आदि अनाजों, सभी बेकरी उत्पादनों, दाल, टमाटर, साबूदाना, रतालू और सूखे मेवों में मिलता है।
2. चीनी - गन्ने, गुड़, शहद, जैली, सूखे मेवे, मिठा ंइ और अंगूर आदि ताजे फलों में मिलती है।
3. सेलूलोज़ - अनाजों, फलों और सब्जियों के अस्तर में रेशेवाला गूदा होता है।

कार्बोहाइड्रेट पाए जाने वाले भोज्य पदार्थ

कार्बोहाइड्रेट की अधिकता से नुकसान:-यदि ज्यादा कारबोज खायें तो वे शरीर में वसा के रूप में संचित हो जाते हैं, जिससे मोटापा, मधुमेह तथा हृदय रोग हो जाते हैं।

उत्तर माला

1.भोजन शरीर में उत्तकों, मांसपेशियों और रक्त जैसे महत्वपूर्ण द्रव्यों का निर्माण, संक्रमण का सामना करने के लिए इन्जाइम और रोग प्रतिकारक तत्वों के विकास में सहायता।

2. शरीर में कोशिकाओं के निर्माण के लिए भोजन की आवश्यकता होती है।

3.जैसे हमें जीवित रहने के लिए भोजन की आवश्यकता होती है वैसे ही वनस्पति को जीवित रहने के लिए भी भोजन की आवशयकता होती है। हमारे पास भोजन के कई साधन हैं लेकिन पेड़-पौधे अपना भोजन ज़मीन और हवा से प्राप्त करते हैं। वास्तव में पौधों की जड़ के सिरे रेशों की तरह होते हैं। इन्हें रूट हेयर कहते हैं। ये रेशे ज़मीन से पानी और घुले खनिज पदार्थों को अवशोषित कर के तने और टहनियों के रास्ते पत्तियों तक पहुंचा देते हैं। पानी के बाद भोजन बनाने का कार्य पत्तियां करती हैं।

4. शरीर में कोशिकाओं के निर्माण के लिए भोजन की आवश्यकता होती है।

5.वसा अर्थात चिकनाई शरीर को क्रियाशील बनाए रखने में सहयोग करती है। वसा शरीर के लिए उपयोगी है, किंतु इसकी अधिकता हानिकारक भी हो सकती है। यह मांस तथा वनस्पति समूह दोनों प्रकार से प्राप्त होती है। इससे शरीर को दैनिक कार्यों के लिए शक्ति प्राप्त होती है।

अभ्यास कार्य

1. कार्बोहाइड्रेट शरीर के लिए क्यों आवश्यक है?
2. कार्बोहाइड्रेट पाए जाने वाले भोज्य पदार्थों के नाम लिखो।
3. कार्बोहाइड्रेट भोजन को किस रूप में परिवर्तित करता है?
4. कार्बोहाइड्रेट की अधिकता से उत्पन्न होने वाली समस्या क्या है?
5. कार्बोहाइड्रेट का क्या कार्य होता है?

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- रंजना मिश्रा, उ० प्रा० वि० अहिबनपुर, महमूदाबाद, सीतापुर

वसा

वसा अर्थात चिकनाई शरीर को क्रियाशील बनाए रखने में सहयोग करती है। वसा शरीर के लिए उपयोगी है, किंतु इसकी अधिकता हानिकारक भी हो सकती है। यह मांस तथा वनस्पति समूह दोनों प्रकार से प्राप्त होती है। इससे शरीर को दैनिक कार्यों के लिए शक्ति प्राप्त होती है। इसको शक्तिदायक ईंधन भी कहा जाता है। एक स्वस्थ व्यक्ति के लिए १०० ग्राम चिकनाई का प्रयोग करना आवश्यक है। इसको पचाने में शरीर को काफ़ी समय लगता है। यह शरीर में प्रोटीन की आवश्यकता को कम करने के लिए आवश्यक होती है। वसा का शरीर में अत्यधिक मात्रा में बढ़ जाना उचित नहीं होता। यह संतुलित आहार द्वारा आवश्यक मात्रा में ही शरीर को उपलब्ध कराई जानी चाहिए। अधिक मात्रा जानलेवा भी हो सकती है, यह ध्यान योग्य है। यह आमाशय की गतिशीलता में कमी ला देती है तथा भूख कम कर देती है। इससे आमाशय की वृद्धि होती है। चिकनाई कम हो जाने से रोगों का मुकाबला करने की शक्ति कम हो जाती है। अत्यधिक वसा सीधे स्रोत से हानिकारक है। इसकी संतुलित मात्रा लेना ही लाभदायक है।

आहार वसा के दो स्रोत

1. पशु स्रोत - इसमें मक्खन, घी, चर्बी, संपूर्ण दूध और इसके उत्पादन, मांस, मछली, मुर्गी और अण्डा समिमलित है।

2. वनस्पति स्रोत - इनमें वनस्पति तेल-मूंगफली, अदरक, सरसों, बिनौला, सूरजमुखी और गोले आदि के तेल समिमलित हैं। इनमें जमी हुई वसा, कृत्रिम मक्खन, गिरी और काजू, अखरोट, मूंगफली, बादाम, अदरक और सरसों आदि तिलहनों के बीज भी सम्मिलित हैं।

अभ्यास कार्य

1. शरीर को शक्ति और ऊर्जा कहा से मिलता हैं?
2. वसा का क्या कार्य हैं?
3. वसा के स्रोतों के नाम लिखों।
4. वसा की अधिकता से क्या समस्या आती हैं?
5. वसा की अधिकता से आमाशय पर क्या प्रभाव पड़ता हैं?

उत्तर माला

1.यह शरीर मे शक्ति उत्पन्न करने का प्रमुख स्रोत है। शरीर को शक्ति और गर्मी प्रदान करने के लिए चर्बी की भांति यह कार्य करता है।

2. वेतसार - चावल, गेहूँ, मक्का, साबूदाना आदि अनाजों, सभी बेकरी उत्पादनों, दाल, टमाटर, साबूदाना, रतालू और सूखे मेवों में मिलता है।

चीनी - गन्ने, गुड़, शहद, ज़ैली, सूखे मेवे, मिठाई और अंगूर आदि ताजे फलों में मिलती है।

सेलूलोज़ - अनाजों, फलों और सब्जियों के अस्तर में रेशेवाला गूदा होता है।

3. कार्बोहाइड्रेट भोजन को ग्लूकोज में बदल देता हैं।

4. कार्बोहाइड्रेट की अधिकता होने से वो वसा के रूप में शरीर मे जमा होने लगता हैं। जिसके कारण मधुमेह, हृदय रोग और मोटापा होने लगता हैं।

5. कार्बोहाइड्रेट्स स्वाद में मीठा होते हैं। यह शरीर मे शक्ति उत्पन्न करने का प्रमुख स्रोत है। शरीर को शक्ति और गर्मी प्रदान करने के लिए चर्बी की भांति यह कार्य करता है। कार्बोहाइड्रेट्स चर्बी की अपेक्षा शरीर मे जल्दी पच जाते है।

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- रंजना मिश्रा, स.अ. ,उ० प्रा० वि० अहिबनपुर, महमूदाबाद, सीतापुर

घर की स्वच्छता की आवश्यकता

आप स्वयं सोचिये, दो दोस्त राज एवं रमा के घर तथा उनके आस-पास का वातावरण बताया गया है-

राज का घर

घर में सफाई कभी-कभी होती है।
सफाई का कूड़ा घर के सामने डाला जाता है।
कमरों में मकड़ी के जाले लगे हैं तथा बिस्तर में धूल जमी है तथा आसपास में सफाई की कमी से मक्खियाँ तथा मच्छर निवास कर रहे हैं।
घर की सभी वस्तुएँ अव्यवस्थित हैं।
घर में शौचालय का न होना।

रमा का घर

घर में प्रतिदिन सफाई की जाती है।
कचरा कूड़ादान में फेंका जाता है।
घर तथा आस-पास को प्रतिदिन साफ किया जाता है।
घर की प्रत्येक सामग्री साफ तथा व्यवस्थित है।
घर में स्वच्छ शौचालय एवं उसका प्रयोग किया जाता है।

आपके अनुसार किसका घर स्वच्छ है ? और क्यों ?
आपने देखा कि राज के घर तथा आसपास गंदगी है जो रोग फैलाने वाले कीटाणुओं को उत्पन्न करने में सहायक है। ये कीटाणु घर में खाने-पीने की सामग्री तथा अन्य वस्तुओं पर भी बैठते हैं, जिससे स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। रमा के घर तथा आसपास की सफाई होने के कारण घर में धूल तथा गंदगी नहीं है। घर स्वच्छ होने पर मक्खी तथा रोग फैलाने वाले कीटाणु घर में प्रवेश नहीं करते हैं क्योंकि मक्खियाँ तथा कीटाणु गंदे स्थानों में वृद्धि करते हैं।

अभ्यास कार्य

1.रमा और राज के घर मे क्या अंतर हैं?
2.घर की सफ़ाई से क्या लाभ हैं?
3.घर की सफ़ाई कितने दिन में करना चाहिए?
4.रमा और राज में से किसका घर स्वच्छता और स्वास्थ्य के लिए उपयुक्त हैं?
5.कचरे को कहा फेकना चाहिए?

उत्तर माला क्रमांक स.7

1. सफाई का अर्थ गंदगी को दूर करना तथा प्रत्येक वस्तु को साफ, कीटाणु रहित तथा व्यवस्थित रखना है।
2. घर की स्वच्छता से तात्पर्य है कि घर में किसी प्रकार की गंदगी एवं कीटाणु न हो। घर की प्रत्येक वस्तु साफ तथा व्यवस्थित हो।
3. घर तथा आसपास गंदगी है जो रोग फैलाने वाले कीटाणुओं को उत्पन्न करने में सहायक है। ये कीटाणु घर में खाने-पीने की सामग्री तथा अन्य वस्तुओं पर भी बैठते हैं, जिससे स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है।
4. व्यक्तिगत स्वच्छता ही महत्वपूर्ण नही है क्योंकि अगर हमारे आस पास गंदगी होगी तो हम बीमारियों से घिरे रहेंगे
5. आसपास की सफाई होने के कारण घर में धूल तथा गंदगी नहीं है। घर स्वच्छ होने पर मक्खी तथा रोग फैलाने वाले कीटाणु घर में प्रवेश नहीं करते हैं क्योंकि मक्खियाँ तथा कीटाणु गंदे स्थानों में वृद्धि करते हैं।

तद्धित प्रत्यय

तद्धित प्रत्यय - वे प्रत्यय जो धातु को छोड़कर अन्य शब्दों- संज्ञा, सर्वनाम, व विशेषण में जुड़ते हैं, तद्धित प्रत्यय कहलाते हैं। तद्धित प्रत्यय से बने शब्द तद्धितांत कहलाते हैं।

जैसे- सेठ+ आनी= सेठानी

यहाँ आनी तद्धित प्रत्यय है तथा सेठानी तद्धितांत शब्द है।

1- कर्तृवाचक संज्ञा बनाने वाले तद्धित प्रत्यय-

प्रत्यय-गर-बाजीगर, जादूगर, कारीगर।
प्रत्यय-वाला- दूधवाला, फलवाला, गाड़ी वाला।
प्रत्यय-ई-तेली,शराबी, फरेबी, खूनी।
प्रत्यय- हारा- लकड़हारा, पनिहारा।
प्रत्यय-इया-दुखिया, मुखिया, रसोइया।
प्रत्यय-आर-सुनार, लुहार।

3- संबंध वाचक तद्धित प्रत्यय-

प्रत्यय-ऐरा-ममेरा, फुफेरा, चचेरा।
प्रत्यय-इक-धार्मिक, सामाजिक, मार्मिक।
प्रत्यय-हाल-ननिहाल, दधिहाल।

4- विशेषण वाले तद्धित प्रत्यय-

प्रत्यय-लु-दयालु, झगड़ना, कृपालु।
प्रत्यय-ईला-चमकीला, जहरीला, सजीला।
प्रत्यय-आ-प्यासा, भूखा, दुलारा।
प्रत्यय-ऊ-बाजारू, गँवारू।

2-भाववाचक संज्ञा बनाने वाले प्रत्यय-

प्रत्यय-आई- भलाई, बुराई, बुनाई,
प्रत्यय-ई- गरीबी, अमीरी, नरमी, गरमी,
प्रत्यय-पन- बचपन, लड़कपन, बालपन।
प्रत्यय- ता-प्रभुता, लघुता, मानवता।
प्रत्यय-आहट-गरमाहट, चिकनाहट, कड़वाहट।

5- स्थानवाचक प्रत्यय-

प्रत्यय-ई-बिहारी, बंगाली, मद्रासी।
प्रत्यय-इया-बंबइया, जयपुरिया।

गृहकार्य- सभी बच्चे समझें, याद करें व उत्तर पुस्तिका पर लिखें।

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- प्रवीणा दीक्षित Kgbu Kasganj

विषय- संस्कृत व्याकरण पाठ- कक्षा -

प्रकरण- व्यञ्जन क्रमांक- 04

मिशन शिक्षण संवाद

व्यञ्जन (हल्)

क- कपोतः- कबूतर

ख- खगः- पक्षी

ग- गर्दभः- गधा

घ- घटिका- घड़ी

ङ-------

च- चटका चिड़िया

छ- छत्रम्- छाता

ज- जम्बूफलम्- जामुन

झ- झषः- मछली

ञ----

ट- -टङगः- कुल्हाड़ी

ठ- ठठकः- ठठेरा

ड- डमरूः- डमरू

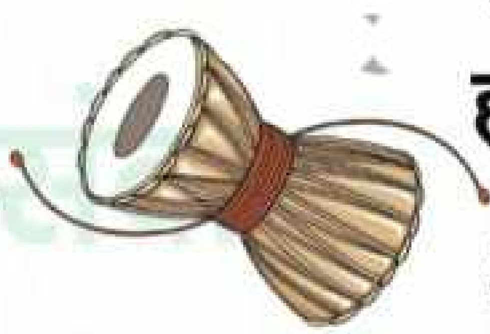

ढ- ढौकनम्- उपहार

ण-----

त- तुला- तराजू

थ- थः- पर्वत

द- दधि- दही

ध- धमका- लुहार

न- नासिका- नाक

प - पिपीलिका- चीटी

फ - फलम्- फल

ब - बालिका- बालिका

भ - भुजंगः- नाग (सर्प)

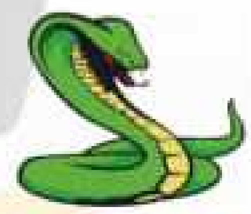

म - मेघः- बादल

य- यति- सन्यासी

र- रजकः- धोबी

ल- लतिका- बेल

व- वनम्- वन

श- शाखा- डाल

ष- षटपदः- भँवरा

स- सारिका- मैना

ह- हस्तम्- हाथ

क्ष- क्षत्रियः- क्षत्रिय

त्र- त्रयः- तीन

ज्ञ- ज्ञानी- विद्वान

इसे भी जानें- वैदिक संस्कृत में 52 वर्ण होते थे।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- प्रवीणा दीक्षित Kgbu Kasganj

मिशन शिक्षण संवाद

Revision of noun

Point out the nouns in the following sentences and say whether they are common, proper, collective, material or abstract.

1. Always speak the truth.
2. We all love honesty.
3. I have two children.
4. The lion is the king of the beasts.
5. Solomon was the wisest of all kings.
6. Cleanliness is next to godliness.
7. Birds of a feather flock together.
8. Who teaches you grammar?
9. The Nile is the longest of all rivers.
10. A committee of six was appointed to assess the situation.
11. Jawaharlal Nehru was the first Prime Minister of India.
12. The boy was rewarded for his honesty.
13. He gave me an apple.
14. I recognized his voice at once.
15. You should never tell a lie.
16. Wisdom is better than riches.
17. He is on the jury.
18. Silver and gold are precious metals.
19. Still waters run deep.
20. The cackling of geese saved Rome.
21. Tubal Cain was a man of might.
22. Old habits die hard.
23. The early bird catches the worm.
24. It was Edison who invented the phonograph.
25. You can't pump the ocean dry.

ANSWER

1.Love 2.Determination
3.Freedom 4.joy 5.Beauty

9458278429
Made by- Upasna tyagi P. S. Bopara Muzaffarnagar

सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट (C.P.U.)
Central Processing Unit :---

सी.पी.यू. कम्प्यूटर का मस्तिष्क (ब्रेन) होता है। इसका मुख्य कार्य प्रोग्राम को चलाना और अन्य सभी घटक (components) जैसे मेमोरी, की-बोर्ड और प्रिंटर आदि के कार्य को कण्ट्रोल करना होता है।

C.P.U. के मुख्य घटक :----

1. अंकगणतिय तर्क इकाई (A.L.U.)
2. प्रोसेसर रजिस्टर
3. कंट्रोल यूनिट

कम्प्यूटर की यह यूनिट अंकगणित, तार्किक नियंत्रण से जुड़े कार्य इनपुट कार्य, आउटपुट कार्य संपन्न करती है। इसे आमतौर पर प्रोसेसर के रूप में भी जाना जाता है।

इसे कम्प्यूटर में मदरबोर्ड पर लगाया जाता है और मदरबोर्ड के माध्यम से ही कम्प्यूटर के अन्य घटक एक दूसरे से जुड़े होते हैं।

यहऑपरेटिंग सिस्टम एवं अन्य प्रोग्रामों का संचालन भी करता है।

यह कम्प्यूटर पार्ट् मदरबोर्ड में लगा रहता है जिसे सीपीयू फैन के नीचे देखा जा सकता है. इसके अन्य पार्ट्स जैसे ALU, Cache Memory, Registers भी इसी के अंदर होते है.

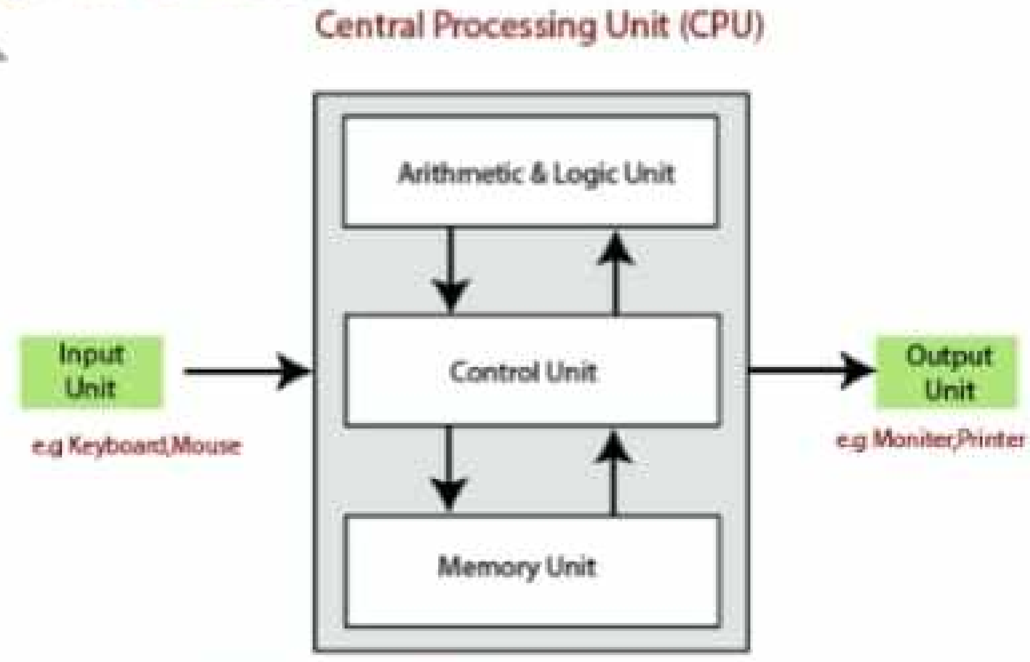

ALU

इस प्रोसेसर पार्ट यानि ALU का पूरा नाम Arithmetic Logical Unit हैं. यह यूनिट सिर्फ दो कार्य करती हैं. पहला डाटा पर गणितिय क्रिया करना. और दूसरा, परिणाम देना. ALU, CPU की सबसे Complex और Important Part इकाई होती हैं.

गृहकार्य

प्र1. C.P.U. का पूरा नाम क्या है?
प्र2. CPU के मुख्य घटक कौन से हैं?

उत्तरमाला (क्रमांक 15)

उ 1. न्यूमेरिक की-पैड
उ 2. कैप्स लॉक के

विषय- **पर्यावरण** पाठ- पर्यावरण असन्तुलन कक्षा - 6,7,8

प्रकरण- **ऊर्जा** क्रमांक - 19

मिशन शिक्षण संवाद

ऊर्जा: जीवन के लिए आवश्यक

ऊर्जा अलग- अलग रुप में होती है जैसे- सूर्य के प्रकाश में,बहते जल और वायु में,भोज्य पदार्थों में। यह ऊर्जा हमें दैनिक कार्य करने में सहायता करती है।

ईंधन से पर्यावरण पर पड़ने वाला प्रभाव

गोबर के कंडे,लकड़ी,डीजल,पेट्रोल,मिट्टी का तेल, एल०पी०जी० आदि हमारे मुख्य ईंधन हैं। ये हमारे भोजन पकाने,वाहनों को चलाने, कारखानों व मशीनों के चलाने के काम आते हैं। परन्तु इनको जलाने से कार्बन डाई ऑक्साइड गैस धुएं के रूप में निकलती है।यह धुआँ पर्यावरण को प्रदूषित कर रहा है।पेट्रोल के जलने से कार्बन डाई ऑक्साइड, कार्बन मोनो आक्साइड तथा सल्फर डाई ऑक्साइड गैस वायु को प्रदूषित करती है।

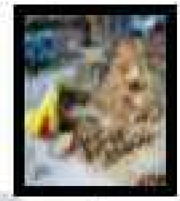
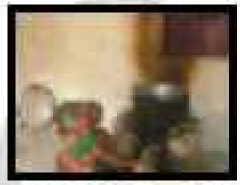

ईंधन से विभिन्न गैसों के आक्साइड का निकलना

बिजली उत्पादन से पर्यावरण पर प्रभाव

विद्युत,ऊर्जा का एक दूसरा स्रोत है विद्युत या बिजली ,कोयला,डीजल या प्राकृतिक गैस को जलाकर बनाई जाती है।बिजली का उत्पादन बांध बनाकर रोके गए पानी से भी किया जाता है। पवन ऊर्जा से भी बिजली बनाई जाती है बिजली किसी भी स्रोत से बनाई जाए उसका असर पर्यावरण पर जरूर पड़ता है।

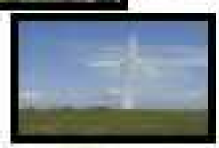

जल,कोयला एवं वायु से बिजली उत्पादन

पर्यावरण प्रदूषण पर नियंत्रण

- विद्युत ऊर्जा और ईंधन को बरबाद न करें।
- मशीनों एवं विद्युत उपकरणों का उचित रख रखाव रखें।
- धुएँ रहित चूल्हों का उपयोग करें।
- अधिक से अधिक सौर ऊर्जा का उपयोग करें।

गृहकार्य

सही पर (√) का तथा गलत पर(×) का निशान लगाएँ।

1-ऊर्जा अलग-अलग रूपों में होती है। ( )

2-धुएँ में कार्बन डाइऑक्साइड गैस नही होती है। ( )

3-ऊर्जा का दूसरा स्रोत बिजली है। ( )

4-धुएँ रहित चूल्हे का उपयोग नहीं करना चाहिए। ( )

5-बिजली कोयला,डीजल,पेट्रोल को जला कर भी बनायी जाती है। ( )

उत्तरमाला क्रमांक 18

1- पर्यावरण

2- ऊँची-ऊँची इमारतें

3- 19 करोड़

4- भूमि

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- शबनम तौक़ीर(लखनऊ),शीला सिंह(ग़ाज़ीपुर)

Secondary colour with object

Orange

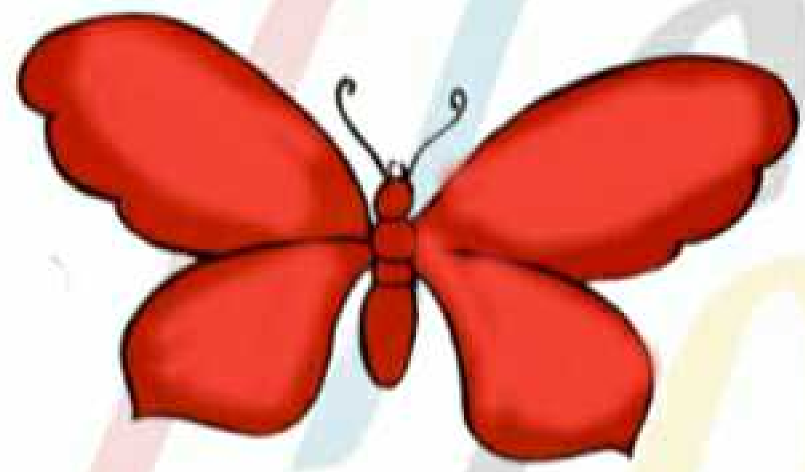

Butterfly

Green

Grapes

violet

Flower

Made by- Neera Chauhan,P.S.Phugana-2,Muzaffarnagar

विषय- **पर्यावरण** पाठ- पर्यावरण असन्तुलन कक्षा -6,7,8

प्रकरण- **जल** क्रमांक- **20**

मिशन शिक्षण संवाद

जल ही जीवन है

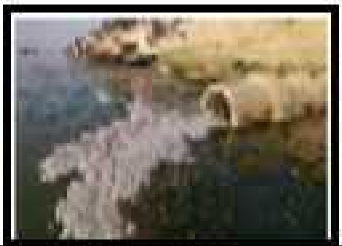

नदियों का प्रदूषण

जल के बिना हम जीवन के बारे में सोच भी नहीं सकते हैं। हम कुओं,हैण्डपम्प,तालाबों,नदियों आदि से जल लेते हैं।

नदियों के प्रदूषण के कारण

हमारे प्रदेश में गंगा,यमुना,गोमती आदि नदियाँ बहती हैं। इनमें से गंगा को सबसे स्वच्छ व पवित्र माना गया है फिर भी गंगा संसार की सबसे प्रदूषित नदियों में से एक है। गंगा के प्रदूषित होने का कारण हम ही हैं। शहरों और उद्योगों के बढ़ने से दिन प्रतिदिन प्रदूषण भी बढ़ता जा रहा है। गन्दे नालों और कारखानों का कचरा सीधे नदियों में बहाया जा रहा है।जिसके कारण नदियों में फ्लोराइड,आर्सेनिक,पारा आदि विषैले एवं जानलेवा तत्व मिल रहे हैं। जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक हैं।

समुद्र एक बड़ा भण्डार

समुद्रीय प्रदूषण

समुद्र जल का भण्डार है तथा मछलियों, खनिजों एवं लवणों का स्रोत है हमें नमक और आयोडीन भी समुद्र से मिलते हैं प्रदूषित नदियों का पानी समुद्र में मिलने से समुद्र भी प्रदूषित हो रहा है। कभी-कभी समुद्री जहाजों के दुर्घटनाग्रस्त होने से उनमें रखें हानिकारक पदार्थ जैसे- पेट्रोल समुन्द्र में मिल जाते हैं। जिससे जलीय जीवों को साँस लेने में कठिनाई होती है

कुछ और भी जानें

★ ई-कोलाई एक सूक्ष्म जीवाणु है जिससे पेचिश होती है।
★ ई-कोलाई की संख्या पानी अगर एक निश्चित सीमा से अधिक होती है तो यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होती है।
★ प्रदूषण के कारण इन रोगाणुओं की संख्या निश्चित सीमा से अधिक हो रही है

गृहकार्य

खाली जगह भरिये।

1- हम ____,____,_____ से जल लेते हैं।
2- हमारे देश में_____,_____,_____ नदियाँ बहती हैं।
3- ___,_____ के बढ़ने से प्रदूषण भी बढ़ रहा है।
4- नदियों में _____,_____,____ आदि विषैले तत्व मिल रहे हैं।
5- समुंद्र,___,_____ एवं_____ का स्रोत है।

उत्तरमाला क्रमांक -19

1- √
2- ×
3- √
4- ×
5- √

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- शबनम तौक़ीर(लखनऊ),शीला सिंह(गाजीपुर)

आओ बच्चों आयत मे आलेखन बनायें।

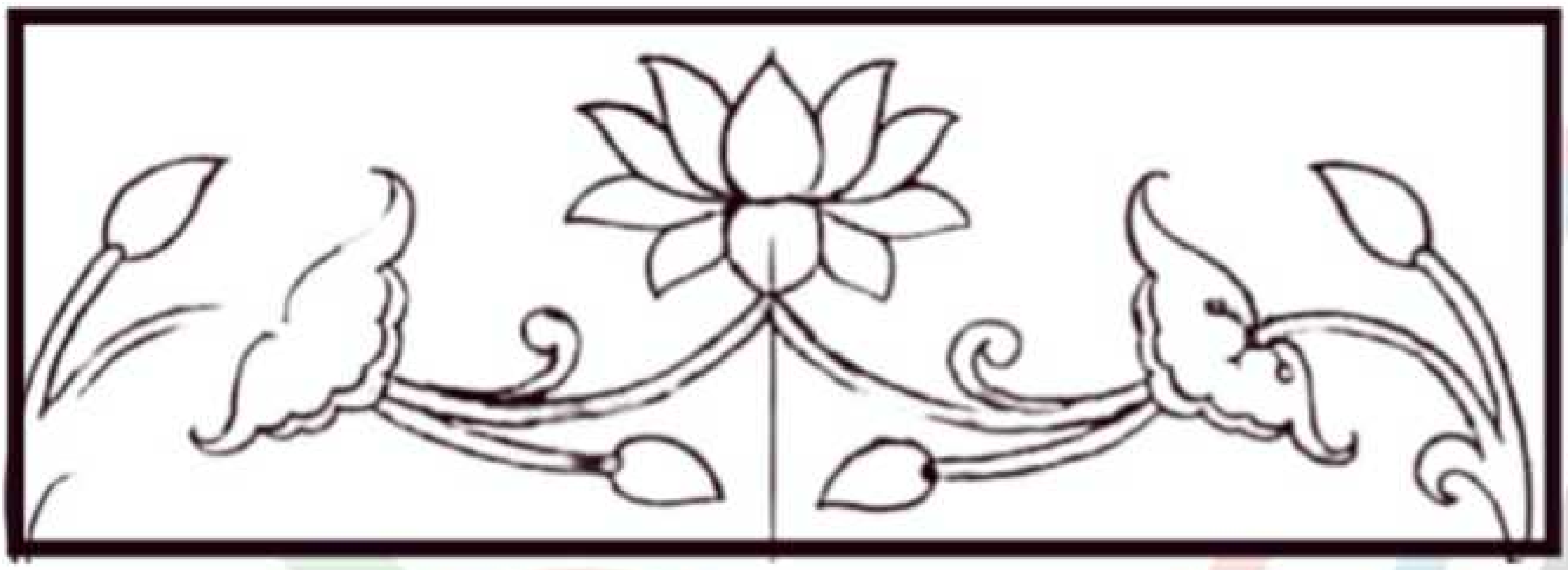

अंतिम रंगीन आलेखन कॉपी मे बनायें।

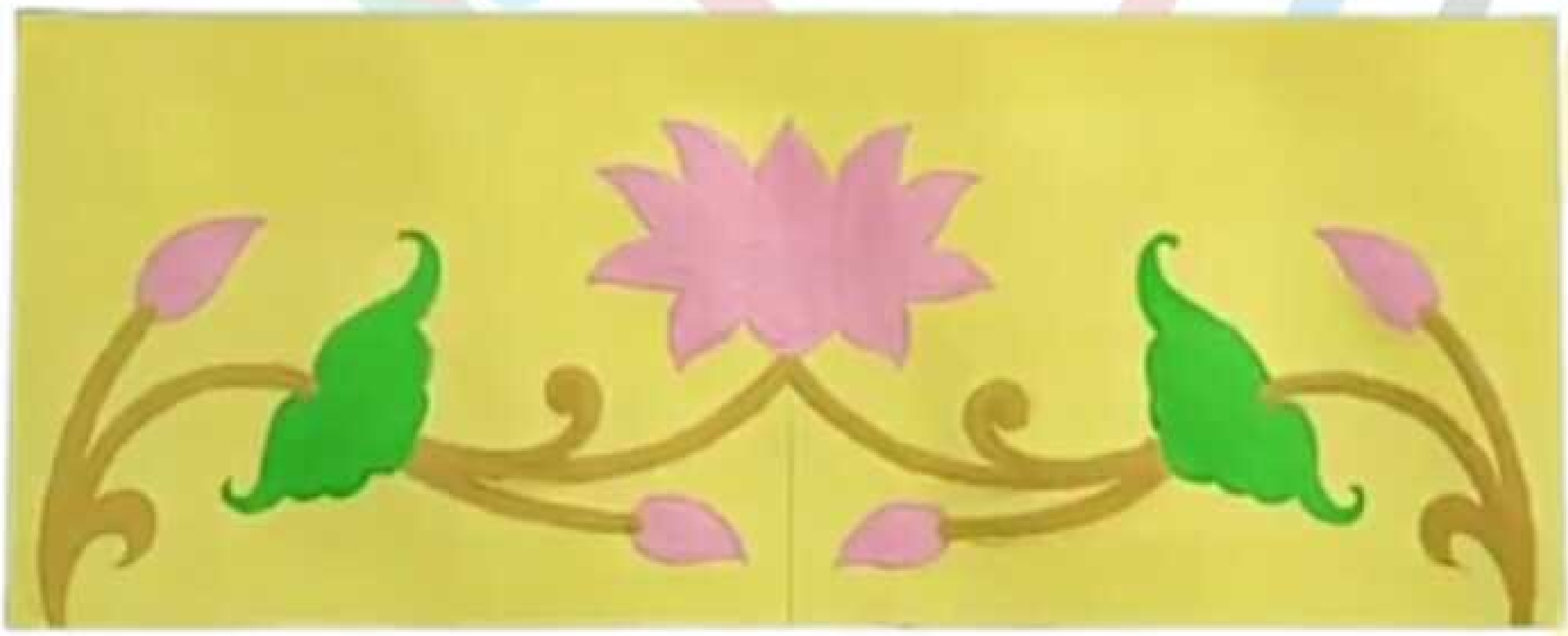

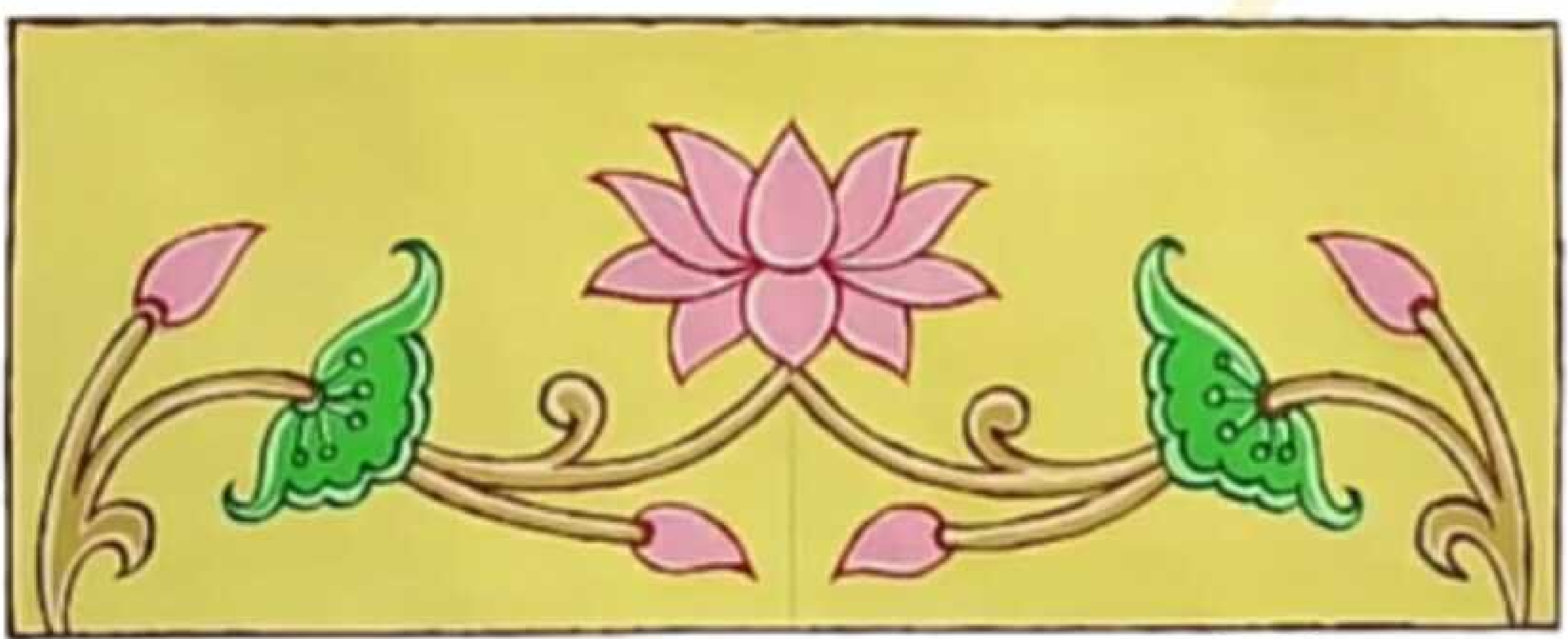

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- नीरा चौहान प्रा०वि०फुगाना–2,मुजफ्फरनगर

Memory

मेमोरी को हम कम्प्यूटर का गोदाम या भंडार ग्रह भी समझ सकते हैं. इसमे Data को Store किया जाता हैं. CPU प्राप्त निर्देशों और डाटा को पहले अपनी स्मृति में भंडारित करता हैं और फिर दुबारा Data को Process करने के बाद भी उसे मेमोरी में ही स्टोर करता हैं. जिसे यूजर कभी भी इस्तेमाल कर सकता हैं.

इस कार्य के लिए कम्प्यूटर अलग-अलग मेमोरी काम मे लेता हैं. जिस मेमोरी में Unprocessed Data (Input) रखा जाता हैं, उसे प्राथमिक मेमोरी (RAM - Random Access Memory) कहा जाता हैं. और जिस मेमोरी में Processed Data (Output) भेजा जाता हैं उसे द्वितीयक मेमोरी (ROM - Read Only Memory) कहा जाता हैं.

कंट्रोल यूनिट (Control Unit):----

कंट्रोल यूनिट (Control Unit) जिसे CU भी कहते हैं कम्प्यूटर का मैनेजर होता हैं. जो सभी ऑपरेशन्स (Operations)को नियत्रिंत करता है। Control Unit मेमोरी, लॉजिकल युनिट, इनपुट & आउटपुट डिवाइसों को बताता हैं कि किसी प्रोग्राम से प्राप्त निर्देशों का किस प्रकार पालन करना हैं.

यह मेमोरी से निर्देश प्राप्त करती है और उसे Decode करके Central Processor को भेज देती हैं.

फिर उस Particular Event को Process किया जाता है. और यह प्रकिर्या चलती ही रहती हैं।

गृहकार्य

प्र 1. RAM व ROM का पूरा नाम क्या है प्र 2. कंप्यूटर का मैनेजर किसे कहते हैं?

उत्तरमाला

उ1. सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट

उ2. सी पी यू के मुख्य घटक --

1. अंकगणतिय तर्क इकाई (A.L.U.)
2. प्रोसेसर रजिस्टर
3. कंट्रोल यूनिट

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- भारती मांगलिक, बुलदशहर

आओ बच्चों साड़ी की किनारी बनायें।

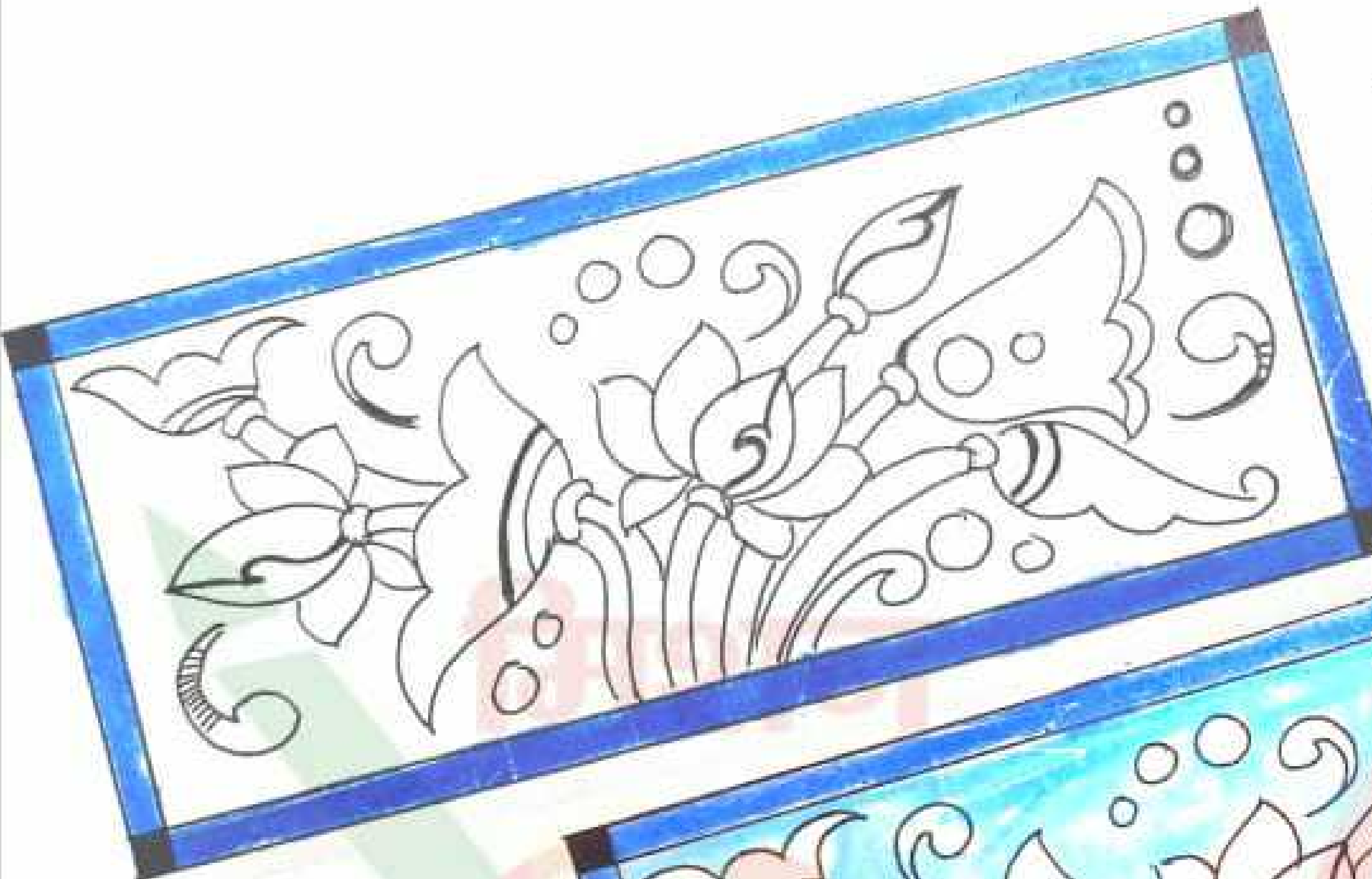

केवल अन्तिम चित्र कॉपी पर बनाएं

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- चेतना सिंह(प्राथमिक विद्यालय इमरता) 9458278429

विषय-हिन्दी व्याकरण पाठ- कक्षा - 6, 7, 8

प्रकरण- **समास** क्रमांक-19

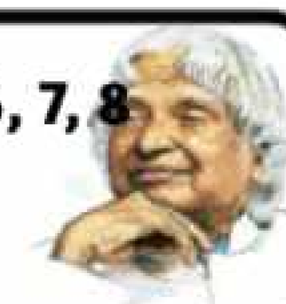

मिशन शिक्षण संवाद

समास (Compound)

👉समास का शाब्दिक अर्थ है-'संक्षेप'।

👉 समास- दो अथवा दो से अधिक शब्दों से मिल कर बने हुए नये सार्थक शब्द को समास कहते हैं।

👉 समस्त पद/ सामासिक पद- समास के नियमों से बना शब्द समस्त पद या सामासिक शब्द कहलाता है।

👉 समास विग्रह- समस्त पद के सभी पदों को अलग-अलग किए जाने की प्रक्रिया समास विग्रह कहलाती है।

जैसे-'चौराहा' का विग्रह है-चार राहों का समूह।

👉 समास रचना में प्रायः दो पद होते हैं।पहले को पूर्वपद और दूसरे को उत्तरपद कहते हैं; जैसे- 'राजपुत्र' में पूर्व पद'राज' है और उत्तरपद 'पुत्र' है।

👉 समास प्रक्रिया में पदों के बीच की विभक्तियाँ लुप्त हो जाती हैं, जैसे-राजा का पुत्र=राजपुत्र। यहाँ 'का' की विभक्ति लुप्त हो गई हैं।

समास के भेद

समास के छह मुख्य भेद हैं--

1- अव्यवीभाव समास (Adverbial compound)

2- तत्पुरुष समास (Determinative compound)

3-कर्मधारय समास (Appositional compound)

4- द्विगु समास (Numeral compound)

5- द्वन्द्व समास (Copulative compound)

6- बहुब्रीहि समास (Attributive compound)

आइए!अभ्यास करें-

👉 परस्पर सम्बन्ध रखने वाले दो या दो से अधिक शब्दों के मेल को समास कहते हैं।

👉 समास के छह प्रकार के होते हैं।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- प्रवीणा दीक्षित Kgbv Kasganj

विषय- खेल एवं स्वास्थ्य शिक्षा **पाठ-** 4 व्यायाम **कक्षा** - UPS

प्रकरण- व्यायाम से लाभ **क्रमांक** - 12

मिशन शिक्षण संवाद

आओ व्यायाम करना सीखें

1.(क) सावधान अवस्था में दोनों हाथ सामने आगे की ओर तानें, हथेलियाँ नीचे की ओर रहें।

(ख) हाथ पीछे ले जाएँ, हथेलियाँ ऊपर की ओर हों।

(ग) एड़ी उठाकर हाथ सामने से लाकर ऊपर तानें, हथेलियां सामने की ओर रहें।

(घ) हाथ आगे की ओर से नीचे लाकर सावधान अवस्था में आ जाएँ।

2.(क) सावधान अवस्था में उछल कर दोनों पैरों को थोड़ा दूर रखें व सामने ताली बजाएँ।

(ख) कन्धे की सीध में चुटकी बजाएँ, कुहनियाँ कन्धों की सीध में रहें।

(ग) पुनः सामने ताली बजाएँ।

(घ) उछल कर सावधान अवस्था में आ जाएँ।

3.(क) सावधान अवस्था में मुट्ठी बन्द कर दोनों हाथों को चित्रानुसार मोड़ें।

(ख) हाथ अगल-बगल तानें, हथेलियाँ नीचे की ओर रहें।

(ग) मुट्ठी बन्द कर दोनों हाथों को इसी प्रकार मोड़ें।

(घ) सावधान अवस्था में आ जाएँ।

4.(क) सावधान अवस्था से बैठक लगाकर दोनों हाथ आगे तानते हुए खड़े हो जाएँ, हथेली नीचे की ओर रहें।

(ख) हाथ पीछे तानें, हथेली ऊपर की ओर हो।

(ग) इसके बाद हाथ सिर के ऊपर तानें। इन्हें सीधा करके एक दूसरे के समानान्तर ले जाएँ।

(घ) हाथ सामने लाते हुए नीचे लाकर सावधान की अवस्था में आएँ।

5.(क) कूदकर पैर दाएँ-बाएँ खोलकर हाथ आगे की ओर तानें, हथेली नीचे की ओर रहे।

(ख) धड़ झुकाकर उंगलियों से जमीन छुएँ।

(ग) धड़ सीधा करें, हाथ आगे की ओर हों।

(घ) इसके बाद सावधान अवस्था में आ जाएँ।

6.(क) सावधान अवस्था में आगे झुककर उँगलियों से भूमि छुएँ।

(ख) पंजों के बल बैठ जाएँ, दोनों हाथ घुटनों के बीच में रखें।

(ग) घुटने सीधे रखें, उँगलियों भूमि से स्पर्श करती हुई हों।

(घ) पुनः सावधान अवस्था में आ जाएँ।

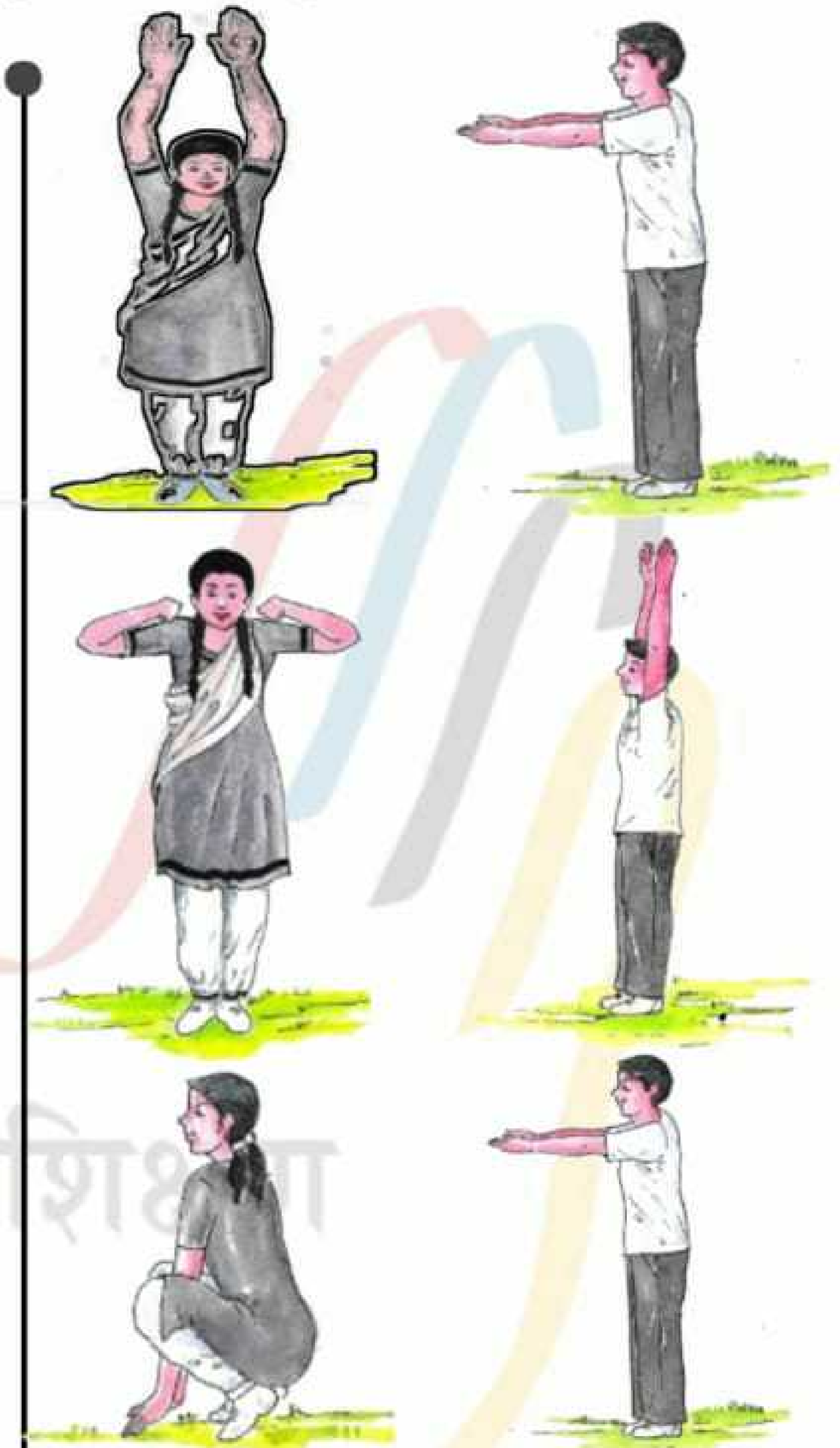

व्यायाम को स्वयं करें

उत्तरमाला पेज -11

1. वह भोजन जिसमें सभी पोषक तत्व सम्मिलित होते हैं, संतुलित भोजन कहलाता है।
2. शरीर को ऊर्जा प्रदान करना है।
3. भोजन में पोषक तत्वों की कमी या अधिकता कुपोषण कहलाती है।
4. रतौन्धी, बेरी-बेरी, स्कर्वी, रिकेट्स, घेंघा आदि।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- मिशन शिक्षण संवाद

आइये विस्तार से समझें-

<u>संस्कृत वर्णमाला (Sanskrit Alphate)</u>

वर्ण- हमारे मुख से निकलने वाली ध्वनि की सबसे छोटी इकाई को वर्ण कहते हैं। इसके और टुकड़े नहीं किए जा सकते हैं।

उदाहरण- 'राम:' शब्द में र्, आ, म, अ, और स् (:)-- ये पाँच वर्ण हैं। इन पाँचों वर्णों में से हम किसी भी वर्ण के खण्ड (टुकड़े) नहीं कर सकते हैं।

संस्कृत भाषा में वर्णों की संख्या निम्नवत् है-

(क) स्वर (Vowels)

(ख) व्यञ्जन (Consonants)

(ग) अयोगवाह (Improper Letter)

(क) स्वर (Vowels) - जिन वर्णो के उच्चारण में किसी भी अन्य वर्णो की सहायता नहीं ली जाती है, वे 'स्वर या अच्' कहलाते हैं। संस्कृत वर्णमाला में स्वरों की संख्या तेरह (13) है।

अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ॠ, ऌ, ए, ऐ, ओ, औ

अभ्यास: (Exercise)

प्रश्न-1 वर्ण किसे कहते हैं?

प्रश्न-2 वर्ण कितने प्रकार के होते हैं?

प्रश्न-3 संस्कृत वर्णमाला में स्वरों की संख्या कितनी है?

मिशन शिक्षण संवाद

Pronoun

Pronoun (सर्वनाम):Pronoun is the second part of parts of speech.

Definition: The word that is used in place of noun is called Pronoun. (संज्ञा के बदले आए हुए शब्द को सर्वनाम कहते है।)

Lets look at examples below and see the difference.

1) Rahul is absent because Rahul is ill. (राहुल अनुपस्थित है क्योंकि राहुल बीमार है।)

2) Rahul is absent because he is ill. (राहुल अनुपस्थित है क्योंकि वह बीमार है।)

In first sentence the proper noun 'Rahul' has been repeatedly used, whereas the use of he (pronoun)in the second sentence looks better as compare to first sentence.

(पहले वाक्य मे बार-बार राहुल उपयोग हो रहा है, दूसरे वाक्य मे राहुल की जगह पर वह उपयोग हो रहा है।)

Pronoun is divided into 8 parts (सर्वनाम के 8 भेद है।)

1) Personal Pronoun. (व्यक्तिवाचक सर्वनाम)
2) Possessive Pronoun (स्वत्वबोधक सर्वनाम)
3) Reflexive Pronoun (निजवाचक सर्वनाम)
4) Relative Pronoun (संबंधवाचक सर्वनाम)
5) Demonstrative Pronoun (निश्चयवाचक सर्वनाम)
6) Indefinite Pronoun (अनिश्चयवाचक सर्वनाम)
7) Interrogative Pronoun (प्रश्नवाचक सर्वनाम)
8) Distributive Pronoun (वितरणवाचक सर्वनाम)

Exercise

Q. 1 What is Pronoun?
Q. 2 In how many parts we can divide the Pronoun?

ANSWER

1.Truth – abstract noun2.Honesty – abstract noun3.Children – common noun4.Lion – common; king – common; beasts – common5.Solomon – proper noun; kings – common noun6.Cleanliness – abstract noun; godliness – abstract noun7.Birds – common noun; feather – common noun8.Grammar – abstract noun9.Nile – proper noun; rivers – common noun10.Committee – collective noun; situation – abstract noun11.Jawaharlal Nehru – proper noun; Prime Minister – common noun; India – proper noun12.Boy – common noun; honesty – abstract noun13.Apple – common noun14.Voice – abstract noun15.Lie – abstract noun16.Wisdom – abstract; riches – abstract17.Jury – collective noun18.Silver – material; gold – material; metal – common19.Waters – common noun/material noun20.Cackling – abstract; geese – common; Rome – proper21.Tubal Cain – proper; man – common22.Habits – abstract noun23.Bird – common noun; worm – common noun24.Edison – proper noun; phonograph – common noun25.Ocean – common noun

मिशन शिक्षण संवाद

योग

प्रिया के पिता जी रोज प्रातःकाल उठकर योग करते हैं तथा बच्चों को भी योग करने की सलाह देते है। प्रिया ने पिता से पूछा "पिता जी योग क्या है ?"
पिताजी ने बताया योग शब्द 'युज' से बना है। युज का अर्थ होता है 'जोड़ना' या 'मिलाना'। योग के द्वारा कार्य करते समय शरीर और मन में ताल-मेल बैठता है। योग एक प्रकार का आसन करने का अभ्यास है। योगाभ्यास करने से शरीर स्वस्थ रहता है। इसके करने से मन को भी शांति मिलती है। अब आप जान गई होंगी कि योगाभ्यास से हमारे मस्तिष्क और शरीर दोनों स्वस्थ रहते हैं। शरीर और मस्तिष्क के स्वस्थ रहने से हमारा मन पढ़ाई में लगता है।

योग के अंग

योग के आठ अंग होते हैं, इसलिए इन्हें अष्टांग योग के नाम से भी जानते हैं। योग के निम्नवत् आठ अंग है-
1. यम 2. नियम 3. आसन 4. प्राणायाम
5. प्रत्याहार 6. धारण 7. ध्यान 8. समाधि
आओ योग के कुछ आसन और योगासन सीखें।

पद्मासन

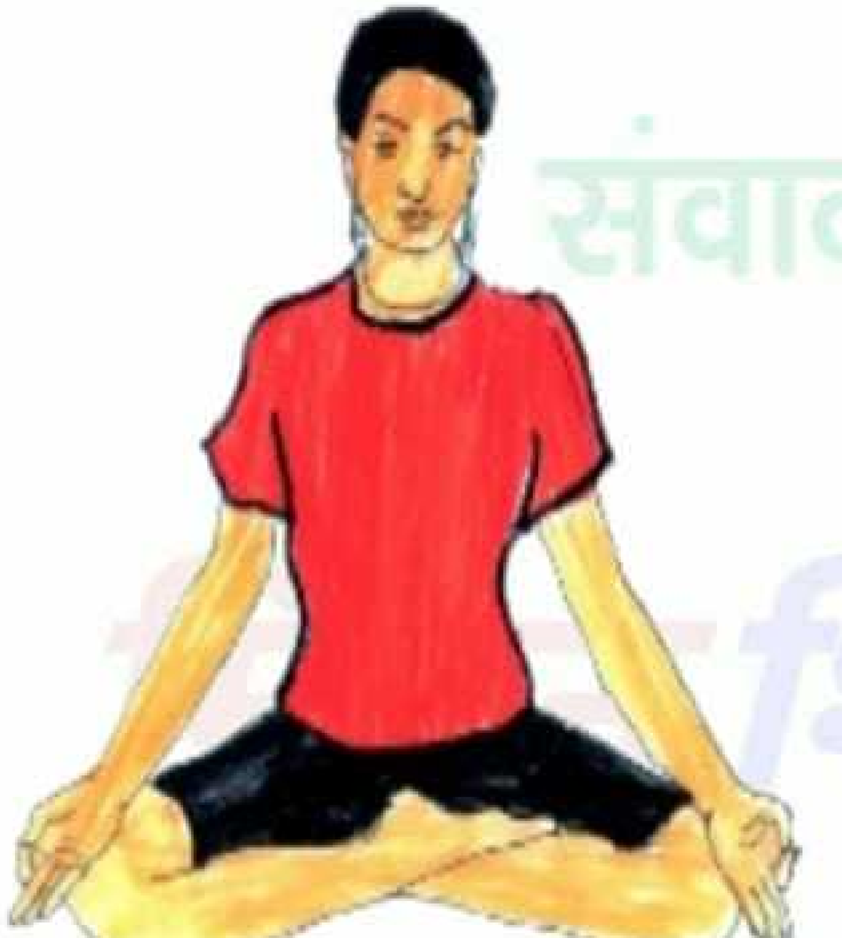

1. पद्मासन

विधि-
1. सर्वप्रथम दोनों पैरों को मिलाते हुए सामने की ओर फैलाकर बैठ जाएँ और घुटने से दायीं टाँग मोड़ते हुए बायीं जाँघ के ऊपर रखें। तत्पश्चात बायीं टाँग को मोड़ते हुए दायीं जाँघ के ऊपर रखें।
2. बायाँ हाथ बायें घुटने पर दायाँ हाथ दायें घुटने पर रखें ऐसा करते समय हाथ सीधा रखें।
3. दोनों हाथों के अँगूठों के सिरे तर्जनी उँगलियों के सिरों को स्पर्श करें। हाथ की हथेलियाँ ऊपर की ओर रखें और आँखे बन्द करके ध्यान की मुद्रा में बैठें।
4. ध्यान भंग होने पर या साधारण स्थिति में वापस आते समय सबसे पहले बायें पैर को जांघ से उतार कर सीधा रखें फिर दायाँ पैर नीचे रखें।

विशेष निर्देश - कमर दर्द तथा पीठ दर्द के रोगी इस आसन को न करें।

लाभ-
1. यह पाचन क्रिया को पुष्ट करता है तथा मांस पेशियों एवं हड्डियों को मजबूत एवं स्वस्थ बनाता है।
2. इस आसन के करने से दमा, आइसोनिक, हिस्टीरिया, पीलिया, फाइलेरिया दूर हो जाता है।

विशेष निर्देश - घुटनों में सूजन, गठिया के रोगी इस आसन को न करें।

अभ्यास कार्य

1. योग के कितने अंग होते है?
2. पद्मासन योग का अभ्यास करें

विषय- चित्रकला

पाठ- फूलों की डलिया

कक्षा - UPS

प्रकरण-चित्रण ,रंग

क्रमांक - 22

मिशन शिक्षण संवाद

आज सुन्दर फूलों की डलिया बनाएं।

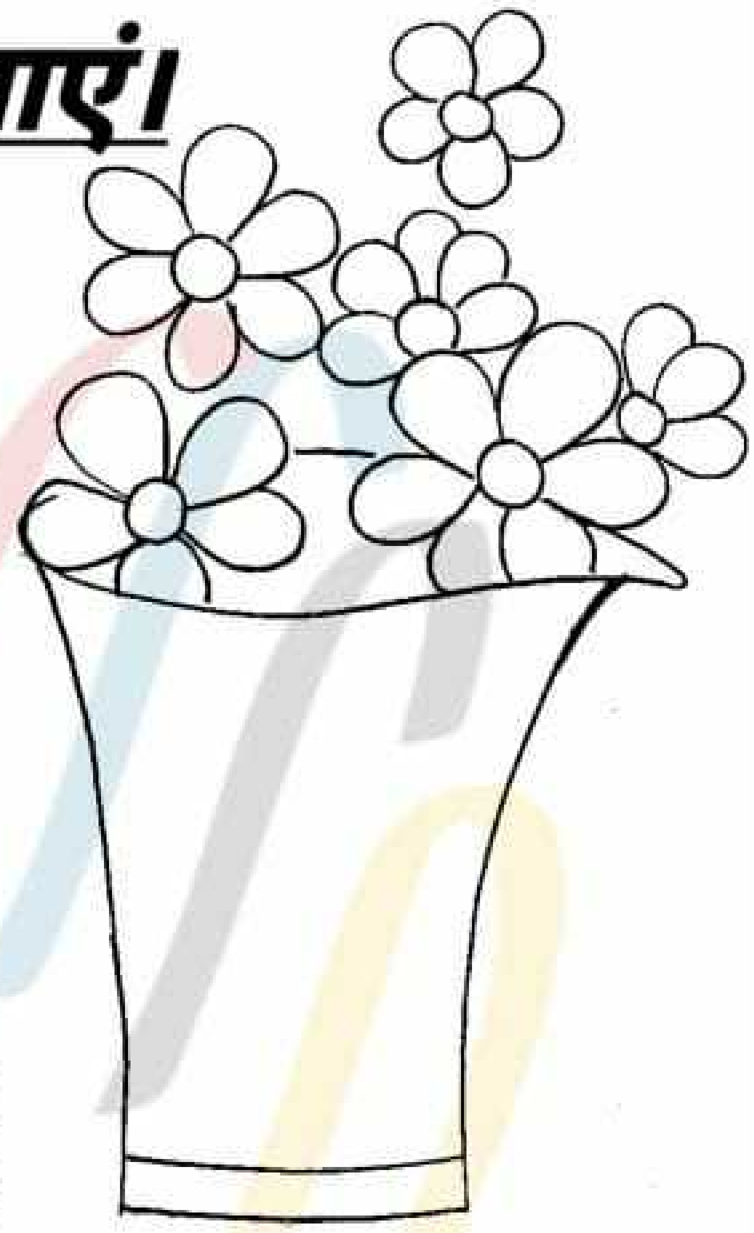

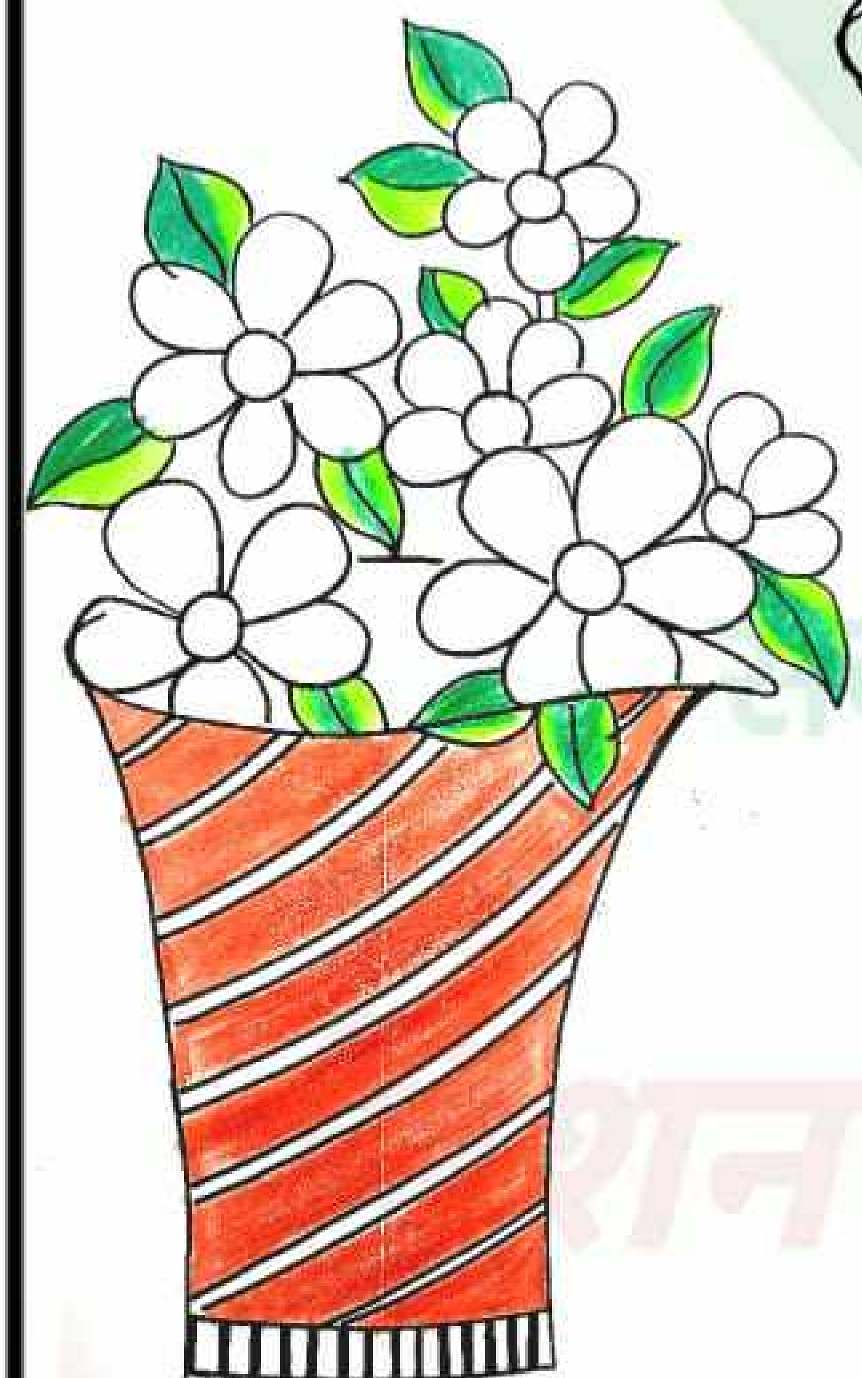

केवल अन्तिम रंगीन चित्र कॉपी पर बनाएं।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- चेतना सिंह(प्राथमिक विद्यालय इमरता)

विषय- कला और शिल्प पाठ- भेड कक्षा -6,7,8

प्रकरण- शिल्पकला क्रमांक - 22

मिशन शिक्षण संवाद

आओ बच्चों कुछ नया बनायें।

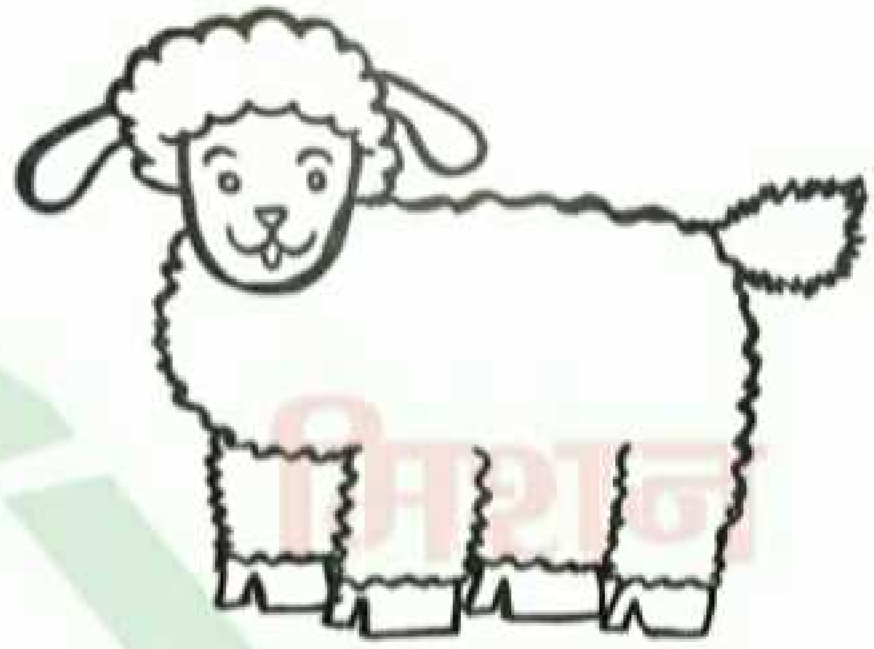

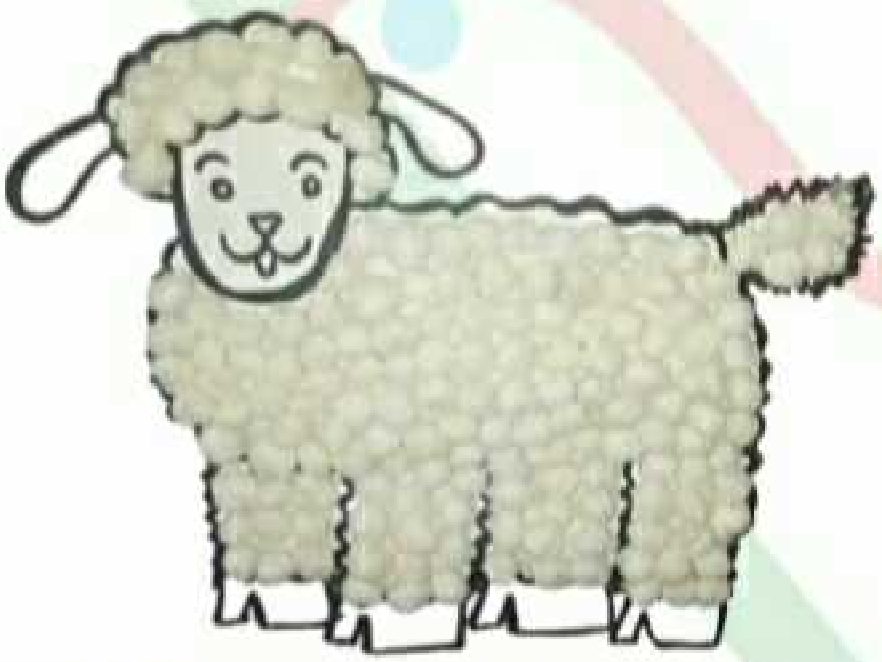

आवश्यक सामग्री: रुई(cotton), फेवीकोल, ब्रुश, रंग।

सबसे पहले कॉटन के छोटे–छोटे गोली बना लेते है।अपनी पसंद का चित्र बनाकर फेवीकोल की सहायता से उसमें चिपका देते है।ब्रुश और रंग की सहायता से चित्र को पूरा करते हैं।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- नीरा चौहान प्रा०व०फुगाना–2मुजफ्फरनगर

विषय- हमारा पर्यावरण **पाठ-** गतिविधि **कक्षा -** जूनियर

प्रकरण- गतिविधि **क्रमांक -** 21

मिशन शिक्षण संवाद

कविता पढो और कंठस्थ करो

हरियाली खत्म हो रही धधक रही सूर्य की ज्वाला,
बढ़ता प्रदूषण ओजोन परत को बना रहा अपना निवाला|

यदि ऐसे ही चलता रहा तो होगा प्रकृति को बड़ा नुकसान,
प्रकृति की रक्षा करों प्रदूषण रोक लौटाओ उसका सम्मान|

देखो कैसे चारो ओर मचा रखा है, प्रदूषण ने हाहाकार,
वृक्षारोपण करके लाओ खुशहाली, करो तुम प्रदूषण पर वार|

प्रकृति का करो सम्मान पर्यावरण स्वच्छता का रखो ध्यान,
पृथ्वी के हम है उत्तराधिकारी इसलिए करों इसका सम्मान|

प्रकृति है हमारी पृथ्वी की सुंदरता और इसका अभिमान,
इसलिए इसकी रक्षा हेतु तुम चलाओ प्रदूषण मुक्ति अभियान|

ध्यान दो

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सी पी सी बी) के 6 क्षेत्रीय निदेशालय हैं -

- क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल
- क्षेत्रीय निदेशालय, बेंगलुरु
- क्षेत्रीय निदेशालय, बडोदरा
- क्षेत्रीय निदेशालय, कोलकाता
- क्षेत्रीय निदेशालय, शिलांग
- क्षेत्रीय निदेशालय, लखनऊ,

(परियोजना कार्यालय, आगरा)

इस चित्र को ध्यान से देखो और बताओ यह हमारे पर्यावरण की किस समस्या की ओर संकेत कर रहा है-

उत्तर माला पेज 20

1- कुओं, हैण्डपम्प,तालाब

2-गंगा, यमुना, गोमती

3-शहरों, उद्योगों

4- फ्लोराइड, आर्सेनिक, पारा

5- मछलियाँ, खनिज, लवणों

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- शीला सिंह (गाजीपुर) शबनम तौकीर (लखनऊ)

मिशन शिक्षण संवाद

Personal Pronoun (व्यक्तिवाचक सर्वनाम)

Words like I, me, he, she, it, they etc that directly represent the person or thing are called personal pronoun.
(शब्द जैसे I, me, he, she, it, they आदि सीधे व्यक्ति या वस्तु को दरसाता है उसे व्यक्तिवाचक सर्वनाम कहते है।)

Personal Pronoun Can be classified into three groups: (व्यक्तिवाचक सर्वनाम को तीन समूहो मे बॉटा गया है।)

a) First Person (प्रथम पुरुष)
b) Second Person (मध्यम पुरुष)
c) Third Person (अन्य पुरुष)

a) First Person (प्रथम पुरुष):
In this group, the pronoun refer to self like 'I' and 'We'. (इस समूह मे स्वयं बात करने वाले को प्रथम पुरुष कहते है।)
For Example:
I am a boy. (मैं एक लड़का हूँ।)
We are Friends (हम दोस्त हैं|)

b) Second Person (मध्यम पुरुष):
In this group, 'you' is the pronoun, that refers to the person who is being talked in this sentence. (इस समूह मे स्वयं जिसके बारे मे बात की जाए उसे मध्यम पुरुष कहते है।)
For Example:
You are beautiful. (तुम सुंदर हो।)

c) Third Person (अन्य पुरुष):
In this group, the words are used to refer the third person such as "he, she, it, they, we" are used. ((इस समूह मे स्वयं जिसके बारे मे चर्चा की जा रही है उसे अन्य पुरुष कहते है।)
For Example:
They are children. (वे बच्चे हैं।)
It is a book. (यह एक किताब है)

Exercise

Q. 1what are 3 types of personal Pronoun?
Q. 2 What type of personal Pronoun is you?

Answer

Ans.1The word that is used in place of noun is called Pronoun.
Ans. 2 Eight.

विषय- कंप्यूटर पाठ- कंप्यूटर कक्षा - UPS
प्रकरण- आउटपुट डिवाइस क्रमांक- 18

मिशन शिक्षण संवाद

आउटपुट डिवाइस:---

आउटपुट डिवाइस वो डिवाइस होती है जो कंप्यूटर के इनपुट डिवाइस द्वारा दिए गये निर्देशों को प्रोसेसिंग होने के बाद जिस डिवाइस में उसका परिणाम हार्डकापी के रूप में (प्रिंटर) या सॉफ्ट कॉपी (मॉनिटर) दीखता अर्थात प्रदान करता है वह आउटपुट डिवाइस कहलाता है।

आउटपुट डिवाइस कम्प्यूटर का मुख्य भौतिक भाग है, जिसे छुआ जा सकता है, यह सूचना के किसी भी प्रकार जैसे ध्वनि, डाटा, मेमोरी आदि को प्रदर्शित कर सकता है।

कंप्यूटर में विभिन्न प्रकार के आउटपुट डिवाइसेस है।

कुछ आउटपुट डिवाइस प्रकार है।

१- मॉनिटर (Monitor)
२- प्रिंटर (Printer)
३- प्लॉटर (Plotter)
४- मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर(Multimedia Projector)
५- स्पीच सिंथेसिज़ेर्स (Speech Synthesizers

गृहकार्य

प्र1. कुछ आउटपुट डिवाइस के नाम लिखो?

प्र 2. आउटपुट डिवाइस किसे कहते हैं?

उत्तरमाला (क्रमांक 17)

उ 1. RAM - random access memory
ROM - read only memory

उ 2. कंट्रोल यूनिट (control unit) को कंप्यूटर का मैनेजर भी कहा जाता है।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- भारती मांगलिक, बुलंदशहर

रचनात्मक कार्य (Creative Activity)

आया दिन शनिवार का, गतिविधि के आधार का।

- कक्षा में बच्चों को संख्यानुसार समूहों में बाँटें।
- समूहों के नाम समास के नामों पर रखें।
- प्रत्येक समूह का सदस्य एक-एक करके श्यामपट्ट पर समास लिखेगा।
- दूसरे समूह के सदस्य को उस समास का विच्छेद व उसका नाम लिखना होगा।
- प्रत्येक शुद्ध समास पर एक अंक दिया जायेगा।
- जिसके अंक अधिक होगें, वही विजेता घोषित किया जाएगा।

रचनात्मक गतिविधि से लाभ-

- सहज अभिव्यक्ति की क्षमता का विकास।
- विषय वस्तु व अर्थबोध की क्षमता का विकास।
- भाषा कौशल का विकास।
- भाषायी अशुद्धियों को जानना।
- उत्तर देने की क्षमता का विकास।
- ये सामूहिक गतिविधि है; इससे बच्चे समूह में कार्य करना सीखते हैं।

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- प्रवीणा दीक्षित Kabu kasganj

रचनात्मक अभ्यासः

आया दिन शनिवार का, गतिविधि के आधार का

(1) निम्नलिखित चित्रों को देखें व उनके संस्कृत में लिखें नाम पहचानें-

अश्वः

अजा

सिंहः

आम्रम्

मयूरः

बालकः

(2) 👉 हर कक्षा में विषय अध्यापक चार-चार बच्चों का समूह बनायें। तत्पश्चात संस्कृत वर्णमाला के स्वर व व्यञ्जन वर्णों का उच्चारण करने को कहिए।

👉 बच्चे के उच्चारण से भाषा सम्बन्धी अशुद्धि दूर करने की कोशिश करें।

👉 इस गतिविधि से अशुद्धियों का संशोधन होगा।

👉 बच्चों में सामूहिकता की भावना का विकास होगा।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- प्रवीणा दीक्षित Kgbv Kasganj